श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

कुलाध्यक्ष

भारत के महामहिम राष्ट्रपति

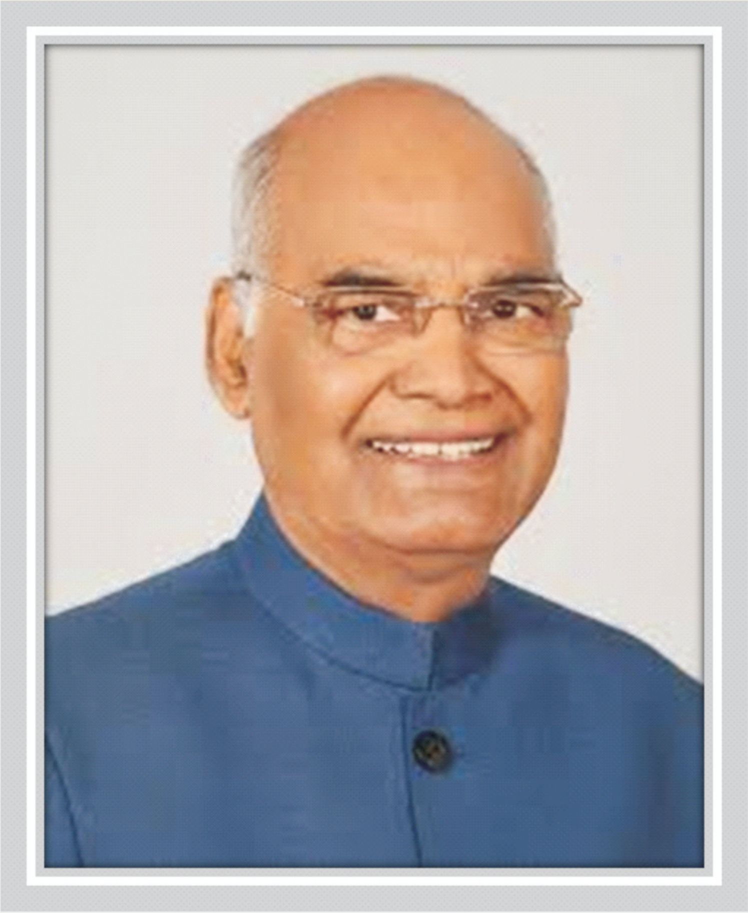

श्री राम नाथ कोविंद

कुलाधिपति

डॉ. हरि गौतम

इनका चिकित्सा अध्ययन और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनके द्वारा देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में कई प्रतिष्ठित पदों को सुशोभित किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के पूर्व अध्यक्ष हैं। इन्हें देश के दस विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा (माननीय कौसा) डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री से सम्मानित किया गया है। इन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों के 40 दीक्षांत समारोह में सभा को संबोधित किया है। वर्तमान में, यह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर में प्रमुख परामर्शदाता और नई दिल्ली में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में कार्यरत हैं।

कुलपति

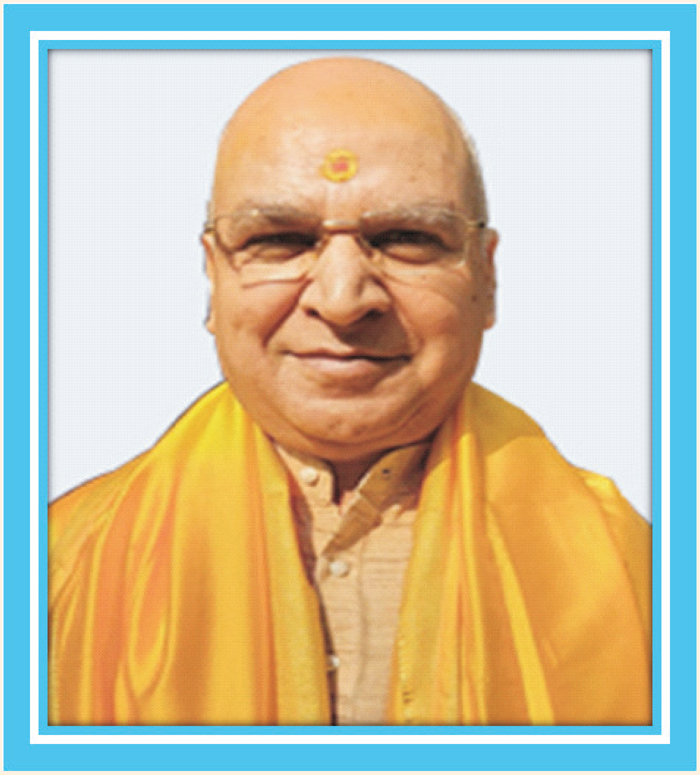

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय प्रख्यात संस्कृत विद्वान् हैं और संस्कृत विश्वविद्यालयों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और संस्कृत अकादमी के विभिन्न वैधानिक निकायों के सदस्य हैं। इन्हें 28 अगस्त, 2015 को विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया। इनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में, विद्यापीठ को भारत सरकार द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में दिनांक 30, अप्रैल 2020 से परिवर्तित कर दिया गया एवं विद्यापीठ ने 'श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय', नई दिल्ली के रूप में कार्य प्रारम्भ किया। विश्वविद्यालय की संविधियों के प्रावधानों के अनुसार इनकी अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद, वित्त समिति, योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल की बैठकें आयोजित गई है। इनके कुशल मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में, विश्वविद्यालय ने एम.ए. हिन्दी साहित्य एवं एम.ए. हिन्दू-अध्ययन पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ किया है।

कुलसचिव (प्रभारी) एवं वित्ताधिकारी

डॉ. अलका राय

डॉ. अलका राय 12 दिसंबर, 2017 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी के रूप में नियुक्त हुईं। इन्होंने 1 जनवरी, 2018 को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। इन्होनें इलाहाबाद विश्वविद्यालय से जीवविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। इन्हें विभिन्न क्षेत्रों में 25 वर्षो का प्रशासनिक और प्रबंधकीय अनुभव है। शैक्षिक क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के पक्ष में इनका मजबूत झुकाव है।

पीठों के पीठाध्यक्ष

वेद वेदांग पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. प्रेम कुमार शर्मा

दर्शन पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. हरे राम त्रिपाठी

साहित्य और संस्कृति पीठ

पीठाध्यक्ष प्रो. जयकुमार एन. उपाध्ये

आधुनिक विद्या पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. केदार प्रसाद परोहा

शिक्षा पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. भारत भूषण

विषयानुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	115
2.	उद्देश्य	117
3.	संगठन सारिणी	119
4.	प्राधिकारी वर्ग, मण्डल एवं समितियाँ	120
5.	शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग का विवरण	129
6.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	137
	छात्र विवरण	
7.	स्वीकृत एवं पंजीकृत छात्रों का विवरण (कार्यक्रम वार)	139
8.	नियमित कार्यक्रमों के छात्रों का विवरण (श्रेणीवार)	140
9.	स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के छात्रों का विवरण (श्रेणीवार)	141
10.	प्रविष्ट, उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण छात्रों का विवरण (कार्यक्रमवार)	142
11.	छात्रवृत्ति, जे.आर.एफ. एवं राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्र	143
12.	विद्यमान समझौता/ज्ञापन सहयोग, योजनाएं एवं परियोजनाएं	144
	विश्वविद्यालय के पीठ	
13.	वेद वेदांग पीठ	145
14.	दर्शन पीठ	153
15.	साहित्य एवं संस्कृति पीठ	160
16.	आधुनिक विद्या पीठ	164
17.	शिक्षा पीठ	167
	विश्वविद्यालय के केंद्र	
18.	केंद्रीय पुस्तकालय	173
19.	शिक्षण अधिगम केन्द्र	177

20.	महिला अध्ययन केन्द्र	180
21.	स्वास्थ्य केन्द्र	181
22.	संगणक केन्द्र	182
	विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ और इकाइयाँ	
23.	आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	185
24.	स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ	185
25.	करियर परामर्श प्रकोष्ठ	185
26.	समान अवसर प्रकोष्ठ	186
27.	अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ	186
28.	राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)	189
29.	राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)	191
30.	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) (आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत)	192
	विश्वविद्यालय के अनुभाग	
31.	लेखा	197
32.	शैक्षणिक	198
33.	प्रशासन (I, II & III)	198
34.	विकास	200
35.	परीक्षा	201
36.	प्रकाशन	202
37.	विश्वविद्यालय कार्य विभाग	203
	विश्वविद्यालय की संरचना और सुविधाएं	
38.	देवसदनम्	205
39.	वेधशाला	205
40.	यज्ञशाला	206
41.	जलपान गृह	206
42.	विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन सुविधा	207

43.	अतिथि गृह	207
44.	व्यायामशाला	208
45.	छात्रावास	208
46.	विश्वविद्यालय वर्षा जल संचयन	209
47.	रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट	209
48.	मनोरंजन कक्ष	210
49.	आवासीय भवन	210
50.	मलजल शोधन संयंत्र	211
	विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियाँ	
51.	अंतर्राष्ट्रीय योग वेबिनार	212
52.	संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम	212
53.	स्वतंत्रता दिवस	213
54.	हिन्दी सप्ताह	213
55.	श्री लाल बहादुर शास्त्री और श्री महात्मा गांधी की जयंती समारोह	214
56.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	214
57.	कोविड -19 शपथ समारोह	215
58.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	215
59.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	215
60.	संविधान दिवस	215
61.	गणतंत्र दिवस	216
62.	सरस्वती पूजन महोत्सव	217
63.	मातृभाषा दिवस समारोह	217
64.	आजादी का अमृत महोत्सव	217

परिचय

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), पूर्व में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली की स्थापना शास्त्रों के पारम्परिक ज्ञान को, शास्त्रों की व्याख्या, आधुनिक शास्त्रीय विद्या में अध्यापकों का उचित प्रशिक्षण और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शास्त्रों को बढ़ावा देने के लिए की है। श्रीलाल बहादुर शास्त्री इसके संस्थापक थे। वह इस संस्था के प्रेरणा स्त्रोत हैं। उस समय की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गान्धी ने 2 अक्तूबर 1966 को यह घोषणा की थी कि इस विद्यापीठ को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से पुकारा जाए। इसके लिए एक अलग से सोसायटी की स्थापना की गई और भारत सरकार ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा इसको संस्था का प्रायोजित सोसायटी के रूप में दर्ज किया। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय मन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ समाज के शासी निकाय अध्यक्ष होते हैं। इस विद्यापीठ को 1987 में एक विश्वविद्यालय के रूप में माना गया, और यह 1 नवम्बर 1991 को पूरी तरह कार्यरत हुई और इसको विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदान के साथ, अनुदान आयोग के नियमों तथा कानूनों के अनुसार शासित किया गया। भारत के पूर्व प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी का दृष्टिकोण था कि इस संस्था को ऐसी केन्द्रीय संस्थान बनाया जाए, जहाँ न केवल भारत से अपितु चारों ओर के संसार से विद्वान आये और यहाँ संस्कृतका अध्ययन एवं अध्यापन करें, संस्कृत में शोध कार्य करें, ताकि यह विद्यापीठ भारत की राजधानी में एक आदर्श संस्था बनकर उभरे। जैसे की भारत सरकार यथा अन्य भाषाओं में भी देश में विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है तथावत देश में संस्कृत के अध्येतारों की मांगों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय और अन्ताराष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत के विद्वानों को एक मंच प्रदान करने के लिए, यह अनुभव किया गया कि यहाँ एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए।

श्री लाल बहादुर शास्त्री के सपनों को पूरा करने के लिए लिए तथा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीयस्तर पर संस्कृतज्ञों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए किये गये प्रयत्न के लिएकार्यकारी के सभी सदस्यों ने कुलपति प्रो० रमेशकुमार पाण्डेय को बधाई दी, और उनके द्वारा विहित उपयों की प्रशंसा की। भारत के महामहिम राष्ट्रपति, माननीय श्री राम नाथ कोविंद जी, माननीय प्रधान मंत्री को श्री नरेंद्र मोदी जी को एवं मानव संसाधन विकास मंत्री, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, इस कार्य में अपना समर्थन देते हुए विद्यापीठ के पूरे समुदाय की ओर से अधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने के लिए भारत सरकार के निर्णय का स्वागत किया। फलस्वरूप, विद्यापीठ को एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में बदलने के प्रस्ताव की समीक्षा की गई और तीन दशकों के बाद भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया, और शिक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना प्रकाशित की। जैसा कि 17 अप्रैल, 2020 को आधिकारिक राजपत्र में

प्रकाशित किया गया था, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के प्रावधान 30 अप्रैल, 2020 से प्रभावी होगा। इसे 1962 की एक संस्था की विरासत का विशेषाधिकार प्राप्त है।

वेद-वेदांग पीठ, दर्शन पीठ, साहित्य एवं संस्कृति पीठ, शिक्षा पीठ और आधुनिक विद्या पीठ विश्वविद्यालय में यह पांच पीठ है प्रारम्भिक तीन पीठ विविध शास्त्रीय विषयों में शास्त्री (सम्मानित) तीन वर्षीय पाठ्यक्रम और विविध पारंपरिक शास्त्रीय विषयों में आचार्य दो वर्षीय पाठ्यक्रम की उपाधि प्रदान करने की दृष्टि से शास्त्रीय ज्ञान और शिक्षण अध्ययन हेतु स्थापित हैं। शिक्षा पीठ शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) नामक दो वर्षीय शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में उन्नत अध्ययन के लिए दो वर्षीय पाठ्यक्रम शिक्षाचार्य (एम.एड.), के अध्यापन के उद्देश्य से स्थापित है। कथित पीठों में शास्त्रीय विद्या की विभिन्न शाखाओं में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विषय विशेषज्ञतानुसार विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम की व्यवस्था है।

विश्वविद्यालय में प्रकाशन के लिए एक स्वतंत्र विभाग है, जो देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा लिखित ऐतिहासिक प्रकाशनों का संग्रह, संरक्षण और प्रकाशन करता है। शोध क्षेत्र में विशिष्टता रखने वाली त्रैमासिक पत्रिका 'शोध-प्रभा' का विभाग द्वारा द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विश्वविद्यालय द्वारा वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, कर्मकांड, दर्शन, संस्कृत पत्रकारिता, योग और संगणक अनुप्रयोग में व्यावसायिक प्रमाणपत्रीय और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय यथासमय विभिन्न प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

मानित विश्वविद्यालय के रूप में अधिसूचना के उपरान्त विद्यापीठ का 17वें दीक्षांत समारोह का 21 अप्रैल, 2018 को सम्पन्न हुआ, जिसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद मुख्य अतिथि थे। माननीय राष्ट्रपति ने विद्वानों को संबोधित किया और प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को उपाधि/डिप्लोमा सहित विभिन्न शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए।

3 दिसम्बर,1993 को राष्ट्रपति भवन में विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा को विद्यापीठ की मानद उपाधि प्रदान की गई। विद्यापीठ का प्रथम दीक्षांत समारोह 15 फरवरी,1994 को विद्यापीठ परिसर में सम्पन्न हुआ, इस अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने प्रथम दीक्षांत भाषण दिया।

नैक ने 25 जून 2015 से 24 जून 2020 की अवधि के लिए विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड दिया है। कोविड. 19 महामारी के दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा प्ष्। को 19 अगस्त, 2020 को नैक तीसरे चक्र की मान्यता के लिए अनुमोदित किया गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ का भी सदस्य है। भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ देश में सभी विश्वविद्यालय स्तर के संस्थानों का एक शीर्ष निकाय है जो डिग्री/डिप्लोमा की मान्यता में सहायता करता है, विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा संचालित सभी गतिविधियों में भाग लेता है।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय की स्थापना संस्कृत भाषा बढ़ावा देने के लिए शिक्षण, अनुसन्धान एवं विस्तृत सुविधाएँ प्रदान करके ज्ञान के प्रसार को उन्नत करने, अधिगम की अन्य शाखाओं जैसे अपने शैक्षिक कार्यकमों में मानविकी, समाजिक विज्ञान में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रवधान हेतु, शिक्षण-अधिगम प्रकिया में नवीन पद्धति को बढ़ावा देने के लिए अंत विषय अध्ययन और अनुसन्धान के लिए उपयुक्त कार्यवाही हेतु तथा संस्कृत एवं संस्कृत परम्परागत विषयों के क्षेत्र में समग्र विकास, संवर्धन, संरक्षण व अनुसन्धान के लिए मानव शक्ति को शिक्षित तथा प्रशिक्षित करने के लिए की गई है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने के लिए विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शास्त्री परंपराओं को संरक्षित करना।

(ii) शास्त्रों की व्याख्या करना।

(iii) आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए संस्कृत शास्त्रों का औचित्य स्थापित करना।

(iv) शिक्षकों के लिए आधुनिक के साथ-साथ शास्त्रीय ज्ञान में गहन अध्ययन के साधन उपलब्ध कराना।

(v) सम्बन्धित विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

उपरोक्त उद्देश्यों के अनुसरण में, विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिए हैं:

1. पारम्परिक संस्कृत वाङ्मय की अतिविशिष्ट शाखाओं के ज्ञान का प्रचार-प्रसार।
2. संस्कृत के अध्यापकों के प्रशिक्षणार्थ साधनों का सुलभीकरण और संस्कृत शिक्षा से सम्बद्ध प्रासङ्गिक पक्षों पर शोध।
3. संस्कृत अध्यापन से सम्बन्धित एशिया की विभिन्न भाषाओं एवं साहित्य के गहन अध्ययन एवं गवेषणार्थ सुविधाओं का सुलभीकरण, जिनमें पाली, इरानी, तिब्बती, मंगोली, चीनी, जापानी आदि भाषाएं एवं साहित्य प्रमुख हैं।
4. अध्ययन अध्यापन हेतु विभिन्न विषयों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण, भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर विशेष ध्यान रखना तथा संस्कृत और संबद्ध विषयों में परीक्षाओं का सञ्चालन।
5. संस्कृत के मौलिक ग्रन्थों, टीकाओं का अनुवाद उनसे सम्बद्ध साहित्य का प्रकाशन, प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का संवर्धन।
6. शोध पत्रिका एवं शोधोपयोगी अनुसन्धान प्रपत्रों, विषय सूची और ग्रन्थ सूची आदि का प्रकाशन।
7. पाण्डुलिपियों का सङ्कलन, संरक्षण एवं प्रकाशन, राष्ट्रिय संस्कृत पुस्तकालय और संग्रहालय का निर्माण। संस्कृत पाण्डुलिपियों में प्रयुक्त लिपियों के प्रशिक्षण का प्रबन्धन।

8. संस्कृत में आधुनिक तकनीकी साहित्य के साथ मौलिक संस्कृत ग्रन्थों के सार्थक निर्वचनों की दृष्टि से आधुनिक विषयों में शिक्षणार्थ साधनों की प्रस्तुति।

9. पारस्परिक ज्ञानवर्धन के लिये आधुनिक एवं परम्परागत विद्वानों के मध्य अन्तः क्रिया का संवर्धन।

10. शास्त्र परिषदों, सङ्गोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन।

11. अन्य शिक्षण संस्थानों की उपाधियों, प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रमों (सर्टिफिकेट) को विश्वविद्यालय की उपाधियों के समकक्ष मान्यता।

12. विभागों एवं सङ्कायों की स्थापना और विद्यापीठ के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक मण्डलों एवं समितियों का गठन।

13. स्वीकृत नियमों के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों, अध्येतावृत्तियों, पुरस्कारों व पदकों का संस्थापन एवं वितरण।

14. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों से पूरी तरह या अंशतः समान उद्देश्य वाले सङ्गठनों, समितियों या संस्थानों का सहयोग एवं उनकी सदस्यता तथा उनसे सहभागिता।

15. विश्वविद्यालय के किसी एक या समस्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रासङ्गिक, आवश्यक या सहायक कार्य-कलापों का सम्पादन।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संगठन सारणी

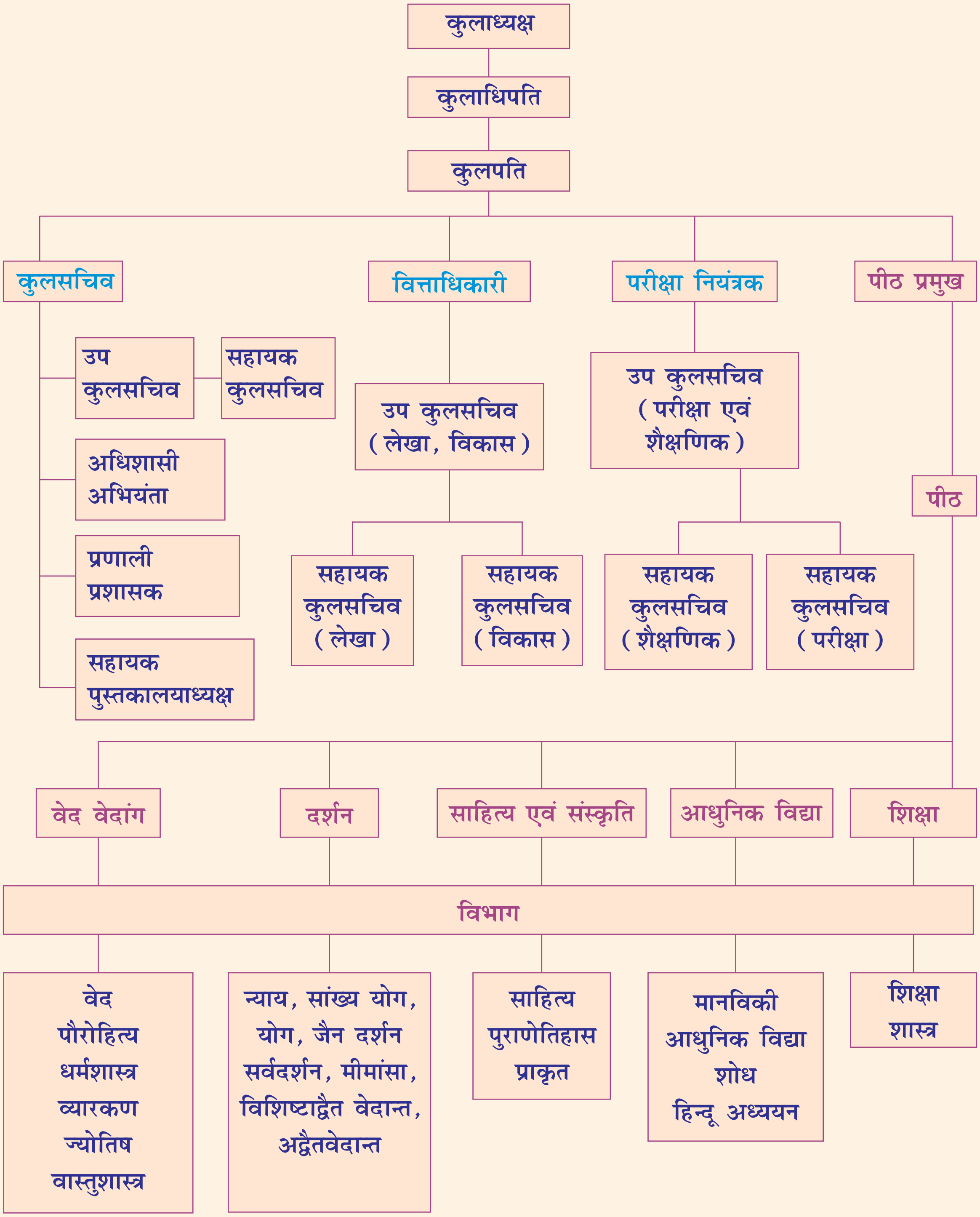

प्राधिकरण

1. कोर्ट
2. कार्यकारी परिषद
3. शैक्षणिक परिषद
4. अध्ययन बोर्ड
5. वित्त समिति
6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

मण्डल

1. अनुसंधान मण्डल
2. परीक्षा मण्डल
3. 'शोध-प्रभा' का संपादकीय मण्डल
4. कुलानुशासक मण्डल

समितियाँ

1. विभागीय अनुसंधान समीक्षा/परामर्श समिति
2. अकादमिक कैलेंडर समिति
3. भवन समिति
4. प्रवेश समिति
5. नीति और योजना समिति
6. छात्रावास समिति
7. परिसर विकास समिति
8. छात्रवृत्ति समिति
9. शोध एवं प्रकाशन परामर्शदात्री समिति
10. पुस्तकालय समिति
11. परिचय नियमावली समिति
12. हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति
13. रोस्टर समिति
14. शिकायत समिति
15. अनुशासन समिति
16. शोधोपाधि समिति
17. आई.क्यू.ए.सी. समिति
18. समान अवसर प्रकोष्ठ समिति
19. कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ समिति

प्राधिकरण

1. कोर्ट

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के प्रासंगिक खण्ड-के 20 एवं 45 के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान के अनुपालन अनुसार कोर्ट का गठन और उसके सदस्यों की पदावधि परिनियमों द्वारा निर्धारित की जाएगी। पहले कोर्ट में इकतीस से अधिक सदस्य नहीं होगें जो केन्द्र सरकार द्वारा नामित किए जाएगें और तीन साल की अवधि के लिए पद धारण करेंगे। परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय ने प्रथम न्यायालय का गठन करने की पहल की है और यह मामला शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विचाराधीन है।

2. कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद विश्वविद्यालय का प्रमु कार्यकारी निकाय होगा। कार्यकारी परिषद का गठन, उसके सदस्यों की पदावधि, उसकी शक्तियाँ और कार्य संविधियों के अनुसार निर्धारित होंगे। कार्यकारी परिषद के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है:-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. कपिल कुमार	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. पंकज लक्ष्मण जानि	बाह्य सदस्य
4.	श्रीमती सुमन दीक्षित	बाह्य सदस्य
5.	श्री वी. श्रीपति	बाह्य सदस्य
6.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
7.	डॉ. सुशील कुमार	सदस्य
8.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
9.	डॉ. अलका राय	सचिव

अप्रैल 2020-मार्च 2021 की अवधि के दौरान कार्यकारी परिषद की तीन बैठकें आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :-

1. कार्यकारी परिषद की पहली बैठक - 30.05.2020
2. कार्यकारी परिषद की दूसरी बैठक - 30.06.2020
3. कार्यकारी परिषद की तीसरी बैठक - 13.11.2020

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

3. शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय होगा और जो अधिनियम, विधियों और अध्यादेशों के प्रावधानों के अधीन, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों का पर्यवेक्षण करेगा। शैक्षणिक परिषद के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है:-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. रमाकांत पाण्डेय	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. रामनाथ झा	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. सदन सिंह	सदस्य
6.	प्रो. सविता	सदस्य
7.	प्रो. शीतला प्रसाद	सदस्य
8.	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	सदस्य
9.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य
10.	प्रो. भागीरथी नंद	सदस्य
11.	प्रो. धर्मानंद राउत	सदस्य
12.	प्रो. कल्पना जैन	सदस्य
13.	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	सदस्य
14.	डॉ अशोक थपलियाल	सदस्य
15.	प्रो. नीलम ठगेला	सदस्य
16.	प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
17.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	सदस्य
18.	प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा	सदस्य
19.	प्रो. अरावमुदन	सदस्य
20.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सदस्य
21.	डॉ. एस. सुदर्शनन्	सदस्य
22.	प्रो. कुलदीप कुमार	सदस्य
23.	प्रो. एम.के. तिवारी	सदस्य
24.	प्रो. महानंद झा	सदस्य
25.	प्रो. महेश सिलोडी	सदस्य

26.	प्रो. शिव शंकर मिश्र	सदस्य
27.	प्रो. के. अनंत	सदस्य
28.	श्री आदेश कुमार	सदस्य
29.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
30.	प्रो. पी.के. दीक्षित	सदस्य
31.	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	सदस्य
32.	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य
33.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
34.	डॉ. एम.के. मीणा	सदस्य
35.	डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी	सदस्य
36.	डॉ. अलका राय	सदस्य सचिव

अप्रैल 2020-मार्च 2021 की अवधि के दौरान शैक्षणिक परिषद की तीन बैठकें आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :-

1. शैक्षणिक परिषद की पहली बैठक -27.05.2020
2. शैक्षणिक परिषद की दूसरी बैठक - 06.11.2020

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

4. अध्ययन मण्डल

अध्ययन मण्डल का गठन, शक्तियां और कार्य, संविधियों के अनुसार निर्धारित होंगे। विभिन्न पीठों के अनुसार अध्ययन मण्डल का विवरण विभागानुसार निम्न प्रकार से है-

वेद पीठ **वेद विभाग**	
प्रो. रामानुज उपाध्याय	अध्यक्ष
प्रो. श्रीकिसर मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय	बाह्य सदस्य
प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा	सदस्य
डॉ. सुन्दर नारायण झा	सदस्य

पौरोहित्य विभाग	
प्रो. बृन्दावनदास	अध्यक्ष
प्रो. श्रीकिसर मिश्र	बाह्यसदस्य
प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय	बाह्यसदस्य
प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
धर्मशास्त्र विभाग	
प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा	अध्यक्ष
प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय	बाह्यसदस्य
प्रो. श्रीपति त्रिपाठी	बाह्यसदस्य
डॉ. मीनाक्षी मिश्र	सदस्य
व्याकरण विभाग	
प्रो. सुजाता त्रिपाठी	अध्यक्ष
प्रो. अशोक तिवारी	बाह्यसदस्य
प्रो. आर. सी. पण्डा	बाह्यसदस्य
प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य
प्रो. रामसलाही द्विवेदी	सदस्य
डॉ. दयालसिंह	सदस्य
डॉ. नरेश कुमार बैरवा	सदस्य
ज्योतिष विभाग	
प्रो. नीलम ठगेला	अध्यक्ष
प्रो. वासुदेव शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. रामचंद्र झा	बाह्य सदस्य
प्रो. बिहारी लाल शर्मा	सदस्य
प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो. विनोद कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	सदस्य
प्रो. परमानंद भारद्वाज	सदस्य
डॉ. सुशील कुमार	सदस्य
डॉ. फणींद्र कुमार चौधरी	सदस्य

वास्तुशास्त्र विभाग		
	डॉ. अशोक थपलियाल	अध्यक्ष
	प्रो. शिवकांत झा	बाह्य सदस्य
	प्रो. उमाशंकर शुक्ला	बाह्य सदस्य
	डॉ. प्रवेश व्यास	सदस्य
	डॉ. देशबंधु	सदस्य
दर्शन पीठ		
न्याय विभाग		
	प्रो. महानंद झा	अध्यक्ष
	प्रो. राजा राम शुक्ला	बाह्य सदस्य
	प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
	प्रो. विष्णुपद महापात्र	सदस्य
	प्रो. पीयूषकांत दीक्षित	सदस्य
	डॉ. राम चंद्र शर्मा	सदस्य
सांख्य योग विभाग		
	प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	अध्यक्ष
	प्रो. राजा राम शुक्ला	बाह्य सदस्य
	प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
	प्रो. महेश प्रसाद सिलोडी	सदस्य
	डॉ. विजय गुसाईं	सदस्य
	डॉ. रमेश यादव	सदस्य
योग विभाग		
	प्रो. महेश प्रसाद सिलोडी	अध्यक्ष
	डॉ. अर्पित दूबे	बाह्य सदस्य
	डॉ. विजय गुसाईं	सदस्य
	डॉ. रमेश यादव	सदस्य
जैन दर्शन विभाग		
	प्रो. कुलदीप कुमार	अध्यक्ष
	प्रो. राजा राम शुक्ला	बाह्य सदस्य

प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य
प्रो. अनेकांत जैन	सदस्य
सर्वदर्शन विभाग	
प्रो. हरेराम त्रिपाठी	अध्यक्ष
प्रो. राजाराम शुक्ल	बाह्य सदस्य
प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
प्रो. संगीता खन्ना	सदस्य
प्रो. जवाहरलाल	सदस्य
मीमांसा विभाग	
प्रो. हरेराम त्रिपाठी	अध्यक्ष
प्रो. राजाराम शुक्ल	बाह्य सदस्य
प्रो. रमेश भारद्वाज	बाह्य सदस्य
डॉ. ए.एस. अरावमुदन	सदस्य
वेदान्त विभाग	
प्रो. केदार प्रसाद परोहा	अध्यक्ष
प्रो. सुब्रमण्य शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. राम किशोर त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
प्रो. मदन मोहन अग्रवाल	बाह्य सदस्य
प्रो. के. अनंत	सदस्य
डॉ. के. एस. सतीशा	सदस्य
साहित्य एवं संस्कृति पीठ **साहित्य विभाग**	
प्रो. धर्मानंद राउत	अध्यक्ष
प्रो. गंगाधर पण्डा	बाह्य सदस्य
प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. भागीरथी नंद	सदस्य
प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
प्रो. सुमन कुमार झा	सदस्य

	डॉ. अरविंद कुमार	सदस्य
	डॉ. बेजवाड़ा कामाक्षम्मा	सदस्य
	डॉ. सौरभ दूबे	सदस्य
पुराणेतिहास विभाग		
	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	अध्यक्ष
	प्रो. गङ्गाधर पण्डा	बाह्य सदस्य
	प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा	बाह्य सदस्य
प्राकृत विभाग		
	प्रो. कल्पना जैन	अध्यक्ष
	प्रो. जिनेन्द्र कुमार	बाह्य सदस्य
	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
आधुनिक विद्या पीठ		
मानविकी आधुनिक ज्ञान एवं शोध विभाग		
	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	अध्यक्ष
	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	बाह्य सदस्य
	प्रो. के.जी. श्रीवास्तव	बाह्य सदस्य
	प्रो. पी.सी. टण्डन	बाह्य सदस्य
	प्रो. डी.पी. विद्यार्थी	बाह्य सदस्य
	प्रो. मञ्जीत चतुर्वेदी	बाह्य सदस्य
	प्रो. राजवीर शर्मा	बाह्य सदस्य
	प्रो. सविता	सदस्य
	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
	श्री केशवनारायण मिश्र	सदस्य
	प्रो. शिवशङ्कर मिश्र	सदस्य
	श्री आदेशकुमार	सदस्य
	डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य
शिक्षा पीठ		
	शिक्षाशास्त्र विभाग	
	प्रो. के. भारत भूषण	अध्यक्ष

प्रो. के.पी. पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. लोकमान्य मिश्रा	बाह्य सदस्य
प्रो. नागेंद्र झा	सदस्य
प्रो. रचना वर्मा	सदस्य
प्रो. रजनी जोशी चौधरी	सदस्य
प्रो. सदन सिंह	सदस्य
प्रो. कुसुम यदुलाल	सदस्य
डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
डॉ. सविता राय	सदस्य

5. वित्त समिति

वित्त समिति का गठन, शक्तियां और कार्य, संविधियों के अनुसार निर्धारित होंगे। वित्त समिति के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. पंकज एल. जानि	बाह्य सदस्य
3.	श्री आर.डी. सहाय	बाह्य सदस्य
4.	श्री नवीन सोइ	बाह्य सदस्य
5.	श्रीमती दर्शन एम डबराल	बाह्य सदस्य
6.	डॉ. अलका राय	सदस्य - सचिव

अप्रैल 2020-मार्च 2021 की अवधि के दौरानवित्त समिति की दो बैठकें आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :-

1. वित्त समिति की पहली बैठक - 25.08.2020
2. वित्त समिति की दूसरी बैठक - 25.02.2021

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल कागठन, शक्तियां और कार्य, संविधियों के अनुसार निर्धारित होंगे। योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल के सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार से है-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	डॉ. चाँद किरण सलूजा	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. भागीरथी नंद	सदस्य
6.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा	सदस्य
7.	प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य
8.	डॉ. अलका राय	सदस्य सचिव

शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
वेद वेदांग पीठ			
1.	प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	आचार्य	वेद
2.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	आचार्य	वेद
3.	डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	सहाचार्य	वेद
4.	डॉ. सुन्दरनारायण झा	सहाचार्य	वेद
5.	डॉ. हनुमान मिश्र	सहाचार्य	वेद
6.	प्रो. रामराज उपाध्याय	आचार्य	पौरोहित्य
7.	प्रो. बृन्दावन दाश	आचार्य	पौरोहित्य
8.	प्रो. यशवीर सिंह	आचार्य	धर्मशास्त्र
9.	प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा	आचार्य	धर्मशास्त्र
10.	डॉ. हिमांशुशेखर त्रिपाठी	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
11.	डॉ. अनीता	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
12.	डॉ. मीनाक्षी मिश्र	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
13.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	आचार्य	व्याकरण
14.	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण

15.	प्रो. रामसलाही द्विवेदी	आचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. दयालसिंह	सहाचार्य	व्याकरण
17.	श्री नरेशकुमार बैरवा	सहायक आचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. धर्मपाल प्रजापति	सहायक आचार्य	व्याकरण
19.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
20.	प्रो. बिहारीलाल शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
21.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
22.	प्रो. नीलम ठगेला	आचार्य	ज्योतिष
23.	प्रो. दिवाकरदत्त शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
24.	प्रो. परमानन्द भारद्वाज	आचार्य	ज्योतिष
25.	डॉ. सुशील कुमार	सहाचार्य	ज्योतिष
26.	डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी	सहाचार्य	ज्योतिष
27.	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी	सहाचार्य	ज्योतिष
28.	प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी	आचार्य	वास्तु शास्त्र
29.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहाचार्य	वास्तु शास्त्र
30.	डॉ. प्रवेशव्यास	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
31.	डॉ. देशबन्धु	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
32.	डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
33.	डॉ. दीपक वशिष्ठ	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
दर्शन पीठ			
34.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित	आचार्य	न्याय
35.	प्रो. विष्णुपद महापात्र	आचार्य	न्याय
36.	प्रो. महानन्दझा	आचार्य	न्याय
37.	डॉ. रामचन्द्र शर्मा	सहाचार्य	न्याय
38.	प्रो. महेशप्रसाद सिलोडी	आचार्य	सांख्य योग
39.	प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी	आचार्य	सांख्य योग
40.	डॉ. रमेशकुमार	सहायक आचार्य	योग
41.	डॉ. विजय सिंह गुसाईं	सहायक आचार्य	योग
42.	डॉ. नवदीप जोशी	सहायक आचार्य	योग

43.	प्रो. वीरसागर जैन	आचार्य	जैन दर्शन
44.	प्रो. अनेकान्त जैन	आचार्य	जैन दर्शन
45.	प्रो. कुलदीप कुमार	आचार्य	जैन दर्शन
46.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	आचार्य	सर्व दर्शन
47.	प्रो. संगीता खन्ना	आचार्य	सर्व दर्शन
48.	प्रो. प्रभाकरप्रसाद	आचार्य	सर्व दर्शन
49.	प्रो. जवाहरलाल	आचार्य	सर्व दर्शन
50.	श्री विजय गुप्ता	सहायक आचार्य	सर्व दर्शन
51.	प्रो. ए.एस. अरावमुदन	आचार्य	मीमांसा
52.	डॉ. राजेशकुमार गुर्जर	सहायक आचार्य	मीमांसा
53.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	आचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
54.	प्रो. के. अनन्त	आचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
55.	डॉ. एस. सुदर्शनन्	सहाचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
56.	डॉ. के.एस. सतीशा	सहाचार्य	अद्वैत वेदांत
साहित्य एवं संस्कृति पीठ			
57.	प्रो. शुकदेव भोई	आचार्य	साहित्य
58.	प्रो. भागीरथ नन्द	आचार्य	साहित्य
59.	प्रो. धर्मानन्द राउत	आचार्य	साहित्य
60.	प्रो. सुमन कुमार झा	आचार्य	साहित्य
61.	डॉ. अरविन्द कुमार	सहाचार्य	साहित्य
62.	डॉ. बी. कामाक्षम्मा	सहायक आचार्य	साहित्य
63.	डॉ. सौरभदूबे	सहायक आचार्य	साहित्य
64.	डॉ. अनमोशर्मा	सहायक आचार्य	साहित्य
65.	प्रो. शीतलाप्रसाद शुक्ल	आचार्य	पुराणेतिहास
66.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	आचार्य	प्राकृत
67.	प्रो. जयकुमार.एन. उपाध्ये	आचार्य	प्राकृत
68.	प्रो. कल्पना जैन	आचार्य	प्राकृत
आधुनिक विद्या पीठ			
69.	प्रो. सविता	आचार्य	मानविकी
70.	प्रो. मीनूकश्यप	आचार्य	मानविकी

71.	प्रो. जगदेव शर्मा	आचार्य	मानविकी
72.	श्री केशवनारायण मिश्र	सह आचार्य	मानविकी
73.	डॉ. अभिषेक तिवारी	सहायक आचार्य	मानविकी
74.	सुश्री वन्दनाशुक्ला	सहायक आचार्य	मानविकी
75.	श्री आदेश कुमार	सहायक आचार्य	आधुनिक विद्या
76.	श्री आदित्य पञ्चोली	सहायक आचार्य	आधुनिक विद्या
77.	डॉ. सुमिता त्रिपाठी	सहायक आचार्य	आधुनिक विद्या
78.	प्रो. शिवशङ्कर मिश्र	आचार्य	अनुसंधान और प्रकाशन
शिक्षाशास्त्र पीठ			
79.	प्रो. नागेन्द्र झा	आचार्य	शिक्षा
80.	प्रो. रमेशप्रसाद पाठक	आचार्य	शिक्षा
81.	प्रो. रजनीजोशी चौधरी	आचार्य	शिक्षा
82.	प्रो. सदनसिंह	आचार्य	शिक्षा
83.	प्रो. के. भारतभूषण	आचार्य	शिक्षा
84.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	आचार्य	शिक्षा
85.	प्रो. कुसुमयदुलाल	आचार्य	शिक्षा
86.	प्रो. विमलेश शर्मा	आचार्य	शिक्षा
87.	प्रो. मिनाक्षी मिश्र	आचार्य	शिक्षा
88.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	आचार्य	शिक्षा
89.	प्रो. एम. जयकृष्णन्	आचार्य	शिक्षा
90.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षा
91.	डॉ. सविताराय	सहायक आचार्य	शिक्षा
92.	डॉ. सुरेन्द्र महतो	सहायक आचार्य	शिक्षा
93.	डॉ. प्रेमसिंह सिकरवार	सहायक आचार्य	शिक्षा
94.	डॉ. तमन्ना कौशल	सहायक आचार्य	शिक्षा
95.	डॉ. पिंकी मलिक	सहायक आचार्य	शिक्षा
96.	डॉ. अजय कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा
97.	डॉ. शिवदत्त आर्य	सहायक आचार्य	शिक्षा
98.	डॉ. ममता	सहायक आचार्य	शिक्षा

99.	डॉ. परमेश कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा
100.	डॉ. आरती शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा
101.	डॉ. विचारीलाल मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षा
102.	डॉ. जितेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा
103.	डॉ. प्रदीप कुमार झा	सहायक आचार्य	शिक्षा
104.	डॉ. दिनेश कुमार यादव	सहायक आचार्य	शिक्षा
105.	डॉ. इकुर्ती वेङ्कटेश्वरलु	सहायक आचार्य	शिक्षा
106.	डॉ. सुनील कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा
107.	डॉ. कैलाश चन्द मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षा
108.	श्री राजेश कुमार पाण्डेय	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
'अ' वर्ग			
1.	डॉ. अलका राय	वित्त अधिकारी (प्रतिनियुक्त)	लेखा
2.	श्री अजय कुमार टंडन	उप कुलसचिव	लेखा
3.	डॉ. कांता	उप कुलसचिव	परीक्षा
4.	श्री रमाकांत उपाध्याय	अधिशाषी अभियन्ता	अभियांत्रिकी
5.	श्री बनवारी लाल वर्मा	कार्यकारी प्रबंधक	संगणक केंद्र
6.	श्रीमती सुषमा	सहायक कुलसचिव	लेखा
7.	श्री सुच्चा सिंह	सहायक कुलसचिव	शैक्षणिक
8.	श्री मंजीत सिंह	सहायक कुलसचिव	प्रशासन II
9.	श्री राजेश कुमार	सहायक कुलसचिव	विकास
10.	श्री जय प्रकाश सिंह	सहायक कुलसचिव	प्रशासन III
11.	श्रीमती भारती त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव	प्रशासन I
'ब' वर्ग			
12.	श्री अंजनी कुमार	सहायक अभियंता	अभियांत्रिकी
13.	श्री बिपिन कुमार त्रिपाठी	अनुसंधान-सह-सांख्यिकी अधिकारी	एससी/एसटी सेल
14.	श्रीमती रजनी संजोत्रा	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा
15.	श्री राजकुमार	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन III

16.	श्री राकेश कांडपाल	अनुभाग अधिकारी	लेखा
17.	श्रीमती सावित्री कुमारी	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन II
18.	श्रीमती वंदना	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन I
19.	श्री दिनेश कुमार	निजी सचिव	कुलसचिव
20.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी	निजी सचिव	कुलपति
21.	श्रीमती हिमानी शदानी	निजी सचिव	विकास
22.	श्री ज्ञान चंद शर्मा	सहायक प्रोग्रामर	कंप्यूटर केंद्र
23.	डॉ. ज्ञानधर पाठक	अनुसंधान सहायक	प्रकाशन
24.	कु. तरुणा अवस्थी	अनुसंधान सहायिका	महिला अध्ययन
25.	श्रीमती उमा नौटियाल	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
26.	श्रीमती अनीता जोशी	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
27.	डॉ. नवीन राजपूत	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
28.	श्री जय कृष्णन कमिला	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
29.	श्रीमती ललिता कुमारी	सहायक	विकास
30.	श्री ओम प्रकाश कौशिक	सहायक	लेखा
31.	श्रीमती रानी पंवार	सहायक	परीक्षा
32.	श्री तिलक राज	सहायक	छात्रावास
33.	श्री अशोक कुमार	सहायक	प्रशासन I
34.	श्री सुदामा	सहायक	शिक्षा पीठ
35.	श्री धर्मेंद्र	सहायक	शैक्षणिक
36.	श्रीमती प्रीति यादव	सहायक	प्रशासन II
37.	श्री महेश	सहायक	लेखा
38.	श्री मनीष लोहानी	सहायक	प्रशासन III
39.	श्री नरेंद्र पाल	कनिष्ठ अभियंता	अभियांत्रिकी
40.	श्रीमती संध्या सिंह	कनिष्ठ अभियंता	अभियांत्रिकी
41.	श्रीमती भावना	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
42.	श्री सुनील कुमार मिश्र	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
43.	श्री शशि भूषण शुक्ला	प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय
44.	श्री सुरेन्द्र नागर	तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)	शिक्षा पीठ कार्यालय
45.	श्री ईश्वर सिंह वशिष्ट	तकनीकी सहायक (संगणक)	संगणक केंद्र

46.	श्री सचिन कुमार राय	तकनीकी सहायक (संगणक)	संगणक केंद्र
'स' वर्ग			
47.	श्री महेंद्र सिंह	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
48.	श्री संजीव सिंह चौहान	वरिष्ठ लिपिक	लेखा
49.	श्री रमेश कुमार	वरिष्ठ लिपिक	लेखा
50.	श्री रजनीश कुमार राय	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
51.	श्रीमती रुचिका भट्नागर	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
52.	श्रीमती प्रीति त्यागी	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन II
53.	श्रीमती प्रतिभा	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
54.	श्रीमती ललिता यादव	वरिष्ठ लिपिक	शिक्षा पीठ कार्यालय
55.	श्री श्रीनाथ के.नायर	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन III
56.	सुश्री नेहा गुसाईं	आशुलिपिका	कुलसचिव कार्यालय
57.	श्री अंशुमन घुर्नियाल	वरिष्ठ लिपिक	अभियांत्रिकी
58.	श्री जीवन कुमार भट्टराई	प्रूफ रीडर	प्रकाशन
59.	श्री चन्द्र भूषण तिवारी	इलेक्ट्रिशियन	अभियांत्रिकी
60.	श्री बलराम सिंह	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय
61.	श्री पदम चन्द सैनी	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय
62.	श्रीमती सौम्या राय	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय
63.	श्री मनीष अरोड़ा	कनिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
64.	श्रीमती दीपिका राणा	कनिष्ठ लिपिक	हिसाब किताब
65.	श्री वैभव खन्ना	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन I
66.	श्री राहुल राय	कनिष्ठ लिपिक	अभियांत्रिकी
67.	श्री नीतेश	कनिष्ठ लिपिक	कुलपति कार्यालय
68.	श्री लोकेश	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन II
69.	श्रीमती ऋचा भसीन	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन II
70.	श्री ओंकेश्वर तिवारी	कनिष्ठ लिपिक एवं केयर टेकर	अभियांत्रिकी
71.	श्री अजय कुमार	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
72.	श्री राम कुमार	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
73.	श्री मनीष जैरथ	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
74.	श्री श्रवण कुमार	चालक	कुलपति कार्यालय

75.	श्री बिजेंद्र सिंह राणा	पम्प प्रचालक	अभियांत्रिकी
76.	श्री शंभू दत्त	पाचक	अतिथि गृह
77.	श्री नितिन नागर	पाचक	अतिथि गृह
78.	श्री राजेंद्र सिंह	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
79.	श्री सुनील शर्मा	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
80.	श्री महेंद्र जंगापल्ली	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
81.	श्री हिमांशु कुमार	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
82.	श्री सोनू	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
83.	श्री विजय रंजन पाण्डेय	प्रयोगशाला परिचर (मनोविज्ञान प्रयोगशाला)	शिक्षा पीठ कार्यालय
84.	श्री कुलदीप सिंह	तकनीकी परिचर	संगणक केंद्र
85.	श्री दया शंकर तिवारी	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
86.	श्री रमेश चंद मीणा	बहुकार्य कर्मचारी	प्रकाशन
87.	श्री दया चन्द	बहुकार्य कर्मचारी	लेखा
88.	श्री सुंदर पाल	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
89.	श्री रमेश गहलोत	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
90.	श्री नरेंद्र महतो	बहुकार्य कर्मचारी	महिला अध्ययन केंद्र
91.	श्री धीरज सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
92.	श्री दिनेश चंद्र	बहुकार्य कर्मचारी	कुलसचिव कार्यालय
93.	श्री राम मिलन	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
94.	श्री भीम सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	प्रशासन I
95.	श्री संतोष कुमार पाण्डेय	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
96.	श्री मथुरा प्रसाद	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
97.	श्री राज कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
98.	श्री पंकज	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
99.	श्री पिंटू बनर्जी	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
100.	श्री गंगाधर मुदली	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
101.	श्री मुनीश चन्द बडोला	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
102.	श्री गिरीश चन्द पंत	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
103.	श्री वीरेंद्र कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय

104.	श्री बिनोद कुमार नाथ	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
105.	श्री अमित कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
106.	श्री कंगन नाथ	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
107.	श्री नवल सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
108.	श्री दीपक	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
109.	श्री करुणेश राव	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
110.	श्री राहुल	बहुकार्य कर्मचारी	शिक्षा पीठ कार्यालय
111.	श्री रोहित वशिष्ठ	बहुकार्य कर्मचारी	प्रशासन III
112.	श्री उपरापल्ली कुमारा स्वामी	स्वास्थ्य केंद्र परिचर	विकास
113.	श्री नरेश कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
114.	श्री सतीश	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
115.	श्री नवीन मच्छल	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी

विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चालित अध्ययन पाठ्यक्रम

1. नियमित पाठ्यक्रम

पीठ का नाम	पाठ्यक्रम	विषय
वेद-वेदांग, दर्शन, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	शास्त्री (B.A.) (त्रिवर्षीय)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास, प्राकृत बी.ए. (योग)
वेद-वेदांग, दर्शन, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	आचार्य (M.A.) (द्विवर्षीय)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत एमए (योग)

वेद-वेदांग, दर्शन, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	विशिष्टाचार्य (M.Phil.)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास, प्राकृत
वेद-वेदांग, दर्शन, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	विद्यावारिधि (Ph.D.)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास, प्राकृत
शिक्षा पीठ	शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) विशिष्टाचार्य (M.Phil.) विद्यावारिधि (Ph.D.)	
आधुनिक विद्या पीठ	आधुनिक विद्या पीठ शोध छात्रों को अनुसंधान पद्धति, साहित्य समीक्षा और उच्च शोध में षाण्मासिक अनिवार्य पाठ्यक्रम कार्य को पूरा करने की सुविधा प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही, इस पीठ के द्वारा सभी विषयों में ज्ञान के अनुकूलन पर केंद्रित अनिवार्य और वैकल्पिक फाउंडेशन पाठ्यक्रमों का भी अध्यापन करवाया जाता है।	

2. स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का नाम
प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	1. ज्योतिष प्रवेशिका 2. वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय 3. योग प्रमाणपत्रीय 4. पौरोहित्य प्रशिक्षण 5. संस्कृत प्रशिक्षण एवं सम्भाषण पाठ्यक्रम 6. संस्कृत वांगमय प्रमाणपत्रीय

	7. ऑफिस ऑटोमेशन प्रमाणपत्रीय 8. कंप्यूटर प्रोग्रामिंग प्रमाणपत्रीय 9. वेब डिजाइनिंग प्रमाणपत्रीय 10. जैन विद्या सर्टिफिकेट प्रमाणपत्रीय
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय)	1. ज्योतिष प्राज्ञ 2. मेडिकल ज्योतिष डिप्लोमा 3. वास्तुशास्त्र डिप्लोमा 4. वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा 5. स्नातकोत्तर योग डिप्लोमा 6. पौरोहित्य डिप्लोमा 7. संस्कृत भाषा पत्रकारिता डिप्लोमा 8. जैन विद्या डिप्लोमा
एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)	1. ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा 2. वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा

छात्र विवरण

1. कार्यक्रम वार स्वीकृत एवं पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	कार्यक्रम	छात्र	
		स्वीकृत	पंजीकृत
1.	विद्यावारिधि	272	123
2.	विशिष्टाचार्य	197	85
3.	शिक्षाचार्य	50	13
4.	शिक्षाशास्त्री	200	197
5.	स्नातकोत्तर	722	141
6.	स्नातक	185	142
7.	स्नातकोत्तर (योग)	50	50
8.	स्नातक (योग)	50	45
9.	प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	350	35
10.	डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय)	490	217
11.	एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)	150	37

2. नियमित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी-वार)

पाठ्यक्रम		सामान्य				अनु. जाति				अनु. जन जाति				अन्य पिछड़ा वर्ग				आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग				विकलांग				कुल			
		म	पु	परा.	कुल	म	पु	परा.	कुल	म	पु	परा.	कुल	म	पु	परा.	कुल	म	पु	परा.	कुल	म	पु	परा.	कुल	म	पु	परा.	कुल
स्नातक	शास्त्री	261	29	0	290	3	1	0	4	3	0	0	3	31	4	0	35	8	0	0	8	0	0	0	0	307	34	0	341
	बी.ए. योग	34	31	0	65	11	6	0	17	5	0	0	5	16	8	0	24	2	1	0	3	0	0	0	0	68	46	0	114
	शिक्षा शास्त्री	104	66	0	170	24	35	0	59	10	14	0	24	39	67	0	106	11	15	0	26	5	2	0	7	193	199	0	392
स्नातकोत्तर	आचार्य	149	14	0	163	8	2	0	10	2	1	0	3	10	10	0	20	5	0	0	5	0	0	0	0	174	27	0	201
	एम.ए. योग	24	31	0	55	6	8	0	14	2	0	0	2	8	14	0	22	1	0	0	1	0	0	0	0	41	53	0	94
	शिक्षाचार्य	5	6	0	11	0	1	0	1	1	0	0	1	3	2	0	5	3	0	0	3	0	0	0	0	12	9	0	21
विशिष्टचार्य		42	14	0	56	4	2	0	6	0	0	0	0	9	9	0	18	5	3	0	8	0	0	0	0	57	28	0	85
विद्यावारिधि		176	60	0	236	37	14	0	51	3	2	0	5	29	27	0	56	22	6	0	28	5	0	0	5	332	109	0	441
प्रमाणपत्रीय/ डिप्लोमा		144	77	0	221	7	5	0	12	0	0	0	0	33	15	0	48	6	1	0	7	1	0	0	1	191	98	0	289
कुल		939	328	0	1267	100	74	0	174	26	17	0	43	178	156	0	334	63	26	0	89	11	2	0	13	1375	603	0	1978

3. अंशकालिकस्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.ज. जाति		शारीरिक या मानसिक रूप से दुर्बल		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्प-संख्यक		विदेशी		विकलांग		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	
1	षण्मासिक ज्योतिष प्रवेशिका	2	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	4
2	एकवर्षीय ज्योतिष प्राज्ञ डिप्लोमा	40	10	1	0	0	0	0	0	5	1	0	0	0	0	0	0	2	0	48	11	59
3	एक वर्षीय ज्योतिष चिकित्सा डिप्लोमा	7	6	2	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	1	11	7	18
4	द्विवर्षीय ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा	15	8	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	15	9	24
5	षण्मासिक वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय कोर्स	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	4
6	एक वर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा	5	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	1	6
7	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा	7	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	8	2	10
8	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा	0	2	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	3
9	षण्मासिक योग प्रमाणपत्रीय कोर्स	1	7	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	7	10
10	एकवर्षीयपी.जी. योग डिप्लोमा	23	38	3	4	0	0	0	0	14	13	0	0	0	0	0	0	1	0	41	55	96
11	षण्मासिकपौरोहित्य प्रशिक्षण	13	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	14	0	14
12	एक वर्षीय पौरोहित्य डिप्लोमा	23	0	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	0	0	0	0	2	0	31	0	31
13	संस्कृत प्रशिक्षण एवं सम्भाषण पाठ्यक्रम	3	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	4	3	7
14	एकवर्षीय संस्कृत वांगमय डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	त्रिमासीय पत्रकारिता उन्नत डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
16	एकवर्षीय पी.जी. संस्कृत पत्रकारिता डिप्लोमा	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	3
17	षण्मासिकजैन विद्या सर्टिफिकेट कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	एकवर्षीय जैन विद्या डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19	पांडुलिपि और शिलालेख में प्रमाणपत्रीय कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
20	षण्मासिकऑफिस ऑटोमेशन कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
21	षण्मासिककंप्यूटर प्रोग्रामिंग कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	षण्मासिकवेब डिजाइनिंग कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**144**	**77**	**7**	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**33**	**15**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**6**	**1**	**191**	**98**	**289**

4. प्रविष्ट, उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण छात्रों का विवरण (पाठ्यक्रम अनुसार)

पाठ्यक्रम	प्रविष्ट छात्रों की संख्या		उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र
विद्यावरिधि (01.04.2020 - 01.03.2021)	10	24	10	24	-	-
विद्यावरिधि पाठ्यक्रम (कोर्सवर्क)	118	46	116	44	-	-
विशिष्टाचार्य (एम.फिल.)	23	18	23	18	-	-
शिक्षाचार्य (एम.एड)	-	07	07	-	-	-
स्नातकोत्तर: (योग)	43	45	40	44	03	01
शिक्षाशास्त्री (बी.एड)	106	93	106	93	-	-
आचार्य	71	18	60	17	11	01
शास्त्री (बी.एड)	94	7	52	04	39	03

स्व-वित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम

दिसम्बर-2019	प्रविष्ट छात्रों की संख्या		उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
ज्योतिष प्रवेशिका (षाण्मासिक)	20	7	15	5	2	1
जैन विद्या (षाण्मासिक)	09	29	06	21	-	-
पौरोहित्य प्रशिक्षण (षाण्मासिक)	-	16	-	12	-	-
वास्तु प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक)	06	01	04	01	01	-
योग प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक)	06	10	03	07	02	-
मई 2020						
ज्योतिष प्राज्ञ (एकवर्षीय)	32	7	22	05	07	-
वास्तु शास्त्र (एकवर्षीय)	01	03	-	03	01	-
जैन विद्या (एकवर्षीय)	10	29	07	19	01	07
मेडिकल एस्ट्रोलॉजी (एकवर्षीय)	08	08	08	05	-	-
पी.जी योग	72	63	63	61	06	02
पौरोहित्य (एकवर्षीय)	29	-	16	-	13	-
ज्योतिष भूषण (द्विवर्षीय)	10	04	06	03	01	01
पी.जी वास्तु (द्विवर्षीय)	09	02	08	02	01	-

छात्रवृत्ति

छात्रों को पारम्परिक शास्त्रीय परंपरा में अध्ययन हेतु प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय में नामंकित छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। छात्रवृत्तियों की संख्या सहित राशि का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है:-

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	वर्ष	छात्रावृत्तियों की संख्या	छात्रवृत्ति राशि (प्रति माह)
1	शास्त्री (बी. ए)	प्रथम वर्ष	120	रु. 800/-
2	शास्त्री (बी. ए)	द्वितीय वर्ष	120	रु. 800/-
3	शास्त्री (बी. ए)	तृतीय वर्ष	120	रु. 800/-
4	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)		60	रु. 800/-
5	आचार्य (एम. ए)	प्रथम वर्ष	25 प्रतिविषय	रु. 1000/-
6	आचार्य (एम. ए)	द्वितीय वर्ष	25 प्रतिविषय	रु. 1000/-
7	शिक्षाचार्य (एम.एड.)		13	रु. 1000/-
	विशेष अनुदान			रु. 750/-
8	विशिष्टाचार्य (प्रति विषय एक)		20	रु. 1500/-
	(आकस्मिक)			प्रति वर्ष - रु. 2000/-
9	विद्यावारिधि (प्रति विषय एक)		20	रु. 5000/-
	(आकस्मिक)			प्रति वर्ष - रु. 3000/-

जे.आर.एफ. सम्मानित छात्र

क्र.सं.	पीठ का नाम	जे.आर.एफ. सम्मानित छात्रों की संख्या
1	वेद वेदांग	8
2	दर्शन	8
3	सहित्य एवं संस्कृति	4

राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्र

क्र.सं.	पीठ का नाम	राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्रों की संख्या
1	सहित्य एवं संस्कृति	2

समझौता/ज्ञापन (MoU) में संभव सहभागिता

क्र.सं.	पीठ का नाम
1.	2017 में भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन।
2.	2018 में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), नई दिल्ली के साथ तीन साल के लिए समझौता ज्ञापन।

योजनायें

1.	उच्च शिक्षण संस्थान में महिला अध्ययन
2.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए कोचिंग
3.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा या राज्य पात्रता परीक्षा के लिए कोचिंग
4.	पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना
5.	ज्योतिष विभाग में विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस-III)
6.	साहित्य विभाग में विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस-द्वितीय)
7.	बड़े पैमाने पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का संचालन
8.	एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रम में भारतीय संस्कृति और इतिहास का पुनः प्रयोजन

परियोजनायें

1.	भारतीय दर्शन का क्रमिक विकास (ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य में) भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. हरेराम त्रिपाठी को स्वीकृत।
2.	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. शिवशंकर मिश्र को लघु अनुसंधान परियोजना स्वीकृत।
3.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार को अष्टादशी परियोजना स्वीकृत।

विश्वविद्यालय के पीठ

- पीठ
  - वेद-वेदांग
  - दर्शन
  - साहित्य एवं संस्कृति
  - आधुनिक विद्या
  - शिक्षा

1. वेदवेदांगपीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठाध्यक्ष
प्रो. प्रेम कुमार शर्मा

विभाग

- **विभागाध्यक्ष वेद**
  प्रो. रामानुज उपाध्याय
- **विभागाध्यक्ष पौरोहित्य**
  प्रो. रामराज उपाध्याय
- **विभागाध्यक्ष धर्मशास्त्र**
  प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा
- **विभागाध्यक्ष व्याकरण**
  प्रो. सुजाता त्रिपाठी
- **विभागाध्यक्ष ज्योतिष**
  प्रो. विनोद कुमार शर्मा
- **विभागाध्यक्ष वास्तुशास्त्र**
  डॉ. अशोक थपलियाल

क. पीठ के विषय में

वेद-वेदांग पीठ में शुक्ल यजुर्वेद का अध्यापन करवाया जाता है, इसकी स्थापना 1971 में हुई थी। वेदों को पारंपरिक रूप से ज्ञान का गहन कोष माना गया है। विश्वविद्यालय के वेद-वेदांग पीठ में छह विभाग शामिल हैं। इन विभागों में छात्रों को वेद, पुरोहित, व्याकरण, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र और धर्मशास्त्र जैसे शास्त्रों का अध्यापन करवाया जाता हैं। धर्मशास्त्र विभाग स्मृति परंपरा के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्राचीन भारतीय कानून प्रणाली को, विशेष रूप से महिलाओं के संपत्ति अधिकारों और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के क्षेत्र को समझने के लिए अति महत्त्वपूर्ण है। प्रिवी-काउंसिल, सुप्रीम कोर्ट और अन्य अधीनस्थ न्यायालयों के निर्णयों के घटकों को भी छात्रोंमें जागरूकता उत्पादन हेतु विशेष पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है। पीठ में मानव अधिकार, संस्कृति, कानून अध्ययन और पर्यावरण शामिल हैं, जो सभी समकालीन परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता और रुचियुक्त विषय हैं। पौरोहित्य, वेद-धर्मशास्त्र और ज्योतिष की एक सटीक परिभाषा है, जिसमें विद्वान बहु-विषयक परियोजनाओं पर प्रयासरत हैं। विश्वप्रसिद्ध पूजाओं एवं अनुष्ठानों का अध्ययन अध्यापन इस पीठ द्वारा करवाया जाता है।

ख. उद्देश्य

विश्व का सार वेदों और वेदांगों में निहित है और यह अपनी वैज्ञानिकता के कारण आविश्व मं प्रसिद्ध हैं। विश्वविद्यालय में वेद और वेदांग पीठ का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति की विरासत से परिचित कराना है और इसका प्रचार करना है इसमें निहित वैज्ञानिक तथ्यों को शोध के माध्यम से प्रस्तुत किया जाये यही पीठ का उद्देश्य है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. वेदों में विज्ञान।
2. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वेद।
3. विश्व कल्याण का साधन: वेद।
4. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याकरण।
5. भाषाविज्ञान।
6. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
7. धर्मशास्त्र में न्याय व्यवस्था।
8. आधुनिक सामाजिक समस्या के संदर्भ में स्मृति पाठ का पुनरीक्षण
9. प्रौद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में वास्तु।
10. आधुनिक वास्तुकला में प्राचीन भारत के वास्तु विज्ञान की उपयोगिता।
11. ज्योतिष में विज्ञान।
12. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष।
13. प्राचीन वैदिक परंपराओं पर शोध।

विशेषतायें	–	सस्वर वेदों का अभ्यास।
	–	श्रौत यज्ञों का अभ्यास।
	–	श्रौत यज्ञ पात्र और स्मार्त यज्ञ पात्र संग्रह।
	–	डेमो यज्ञशाला।
	–	वेधशाला।
	–	तारामंडल।
	–	पंचांग निर्माण।
	–	विश्वविद्यालय के एस.पी.ए. और वास्तु विभाग के बीच समझौता ज्ञापन।
	–	पत्रिका प्रकाशन

ख. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पदनाम	प्राध्यापकों की संख्या
1	वेद	आचार्य	02
		सह-आचार्य	03
2	पौरोहित्य	आचार्य	03
3	धर्मशास्त्र	आचार्य	02
		सहायक आचार्य	02
4	व्याकरण	आचार्य	04
		सह-आचार्य	02
		सहायक आचार्य	02
5	ज्योतिष	आचार्य	06
		सह-आचार्य	03
6	वास्तु शास्त्र	आचार्य	02
		सह-आचार्य	01
		सहायक आचार्य	04

ग. शोध मार्गदर्शन का विवरणः

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1	डॉ. सुंदर नारायण झा	वेद	01
2	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	ज्योतिष	02
3	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	व्याकरण	01
4	डॉ. दयाल सिंह	व्याकरण	03
5	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	02
6	प्रो. कमला भारद्वाज	व्याकरण	01
7	प्रो. यशवीर सिंह	धर्मशास्त्र	01
8	डॉ. अशोक थपलियाल	वास्तु शास्त्र	01
9	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	वास्तु शास्त्र	02
10	डॉ. सुशील कुमार	ज्योतिष	02
		कुल	**15**

घ. श्रेणी वार नामंकित छात्रों का विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु. जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	177	9	4	0	1	0	0	0	19	1	0	0	7	0	208	10	218
2	स्नातकोत्तर	89	6	5	0	0	0	0	0	4	3	0	0	3	0	101	9	110
3	विशिष्टाचार्य	26	6	0	0	0	0	1	0	3	6	0	0	2	2	32	14	46
4	विद्यावारिधि	18	7	4	1	0	1	0	0	2	2	0	0	5	2	29	13	42
	कुल	**310**	**28**	**13**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**28**	**12**	**0**	**0**	**17**	**4**	**370**	**46**	**416**

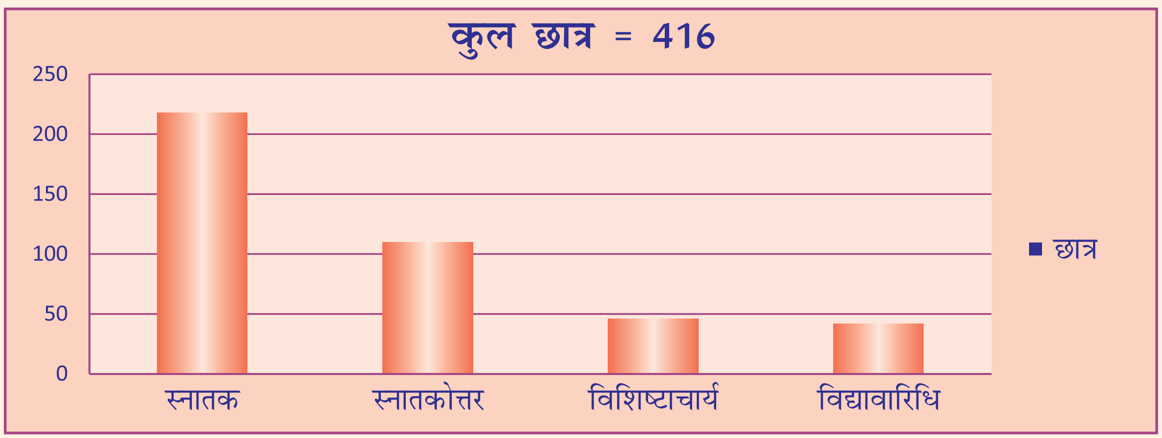

ङ. पीठ के अनुसंधान प्रकाशनः

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाहियों में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
डॉ. अशोक थपलियाल	सौरचंद्र पंचांग एवं अधिमास	ज्योतिर्वेदप्रस्थानम्	आईएसएसएन 2278-0327
	पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल	ज्योतिर्वेदप्रस्थानम्	आईएसएसएन 2278-0327
	ज्योतिष शास्त्र का सामाजिक परिदृश्य	संस्कृतरत्नाकार	आईएसएसएन 2395-3055
	वाहक स्नायु (मोटर न्यूरॉन डिसिस)	भैषज्यज्योतिष मंजुषा	आईएसएसएन 2348-0890
प्रो. रामानुज उपाध्याय	पूर्वोत्तर मीमांसदर्शनयोरदेवतातत्त्वम्	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946
	अर्थनिर्धारणे वैदिकस्वराणां वैशिष्ट्यम्	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946
	वास्तु पद मंडल देवतायों में स्थित असुरपद मीमांसा	वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएनः 0976-4321
डॉ. सुंदर नारायण झा	भारतीय सभ्यता एवं संस्कारों का आधारः श्रौत यज्ञ	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946
डॉ देवेंद्र प्रसाद मिश्र	यजुर्वेदे आयुर्वेदविज्ञानम्	भैषज्यज्योतिषमंजुषा	आईएसएसएन 2348-0890
डॉ. रश्मि चतुर्वेदी	वास्तुशास्त्र में वृक्ष वाटिका विधान	वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएनः 0976-4321
डॉ. सुशील कुमार	वास्तुस्त्रोक्त भूमि परीक्षण विचार	वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएनः 0976-4321
डॉ. फणींद्र चौधरी	वैदिक वांग्मय में विज्ञान तत्व	भैषज्यज्योतिष मंजुषा	आईएसएसएनः 2348-0890
प्रो. विनोद कुमार शर्मा	ज्योतिष शास्त्र में मानसिक रोग चिकित्सा	भैषज्यज्योतिष मंजुषा	आईएसएसएनः 2348-0890
डॉ. देशबंधु	हिमाचले शैवपरम्पराया: विकासः	वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएनः 0976-4321
	चक्षु रोग विमर्श	भैषज्यज्योतिष मंजुषा	आईएसएसएनः 2348-0890

डॉ. प्रवेश व्यास	भारतीय वास्तुशास्त्रे विश्वकर्मणः योगदानम्	वास्तुशास्त्र विमर्श	आईएसएसएनः 0976-4321
	थैलेसीमिया रोगः ज्योतिषीय सन्दर्भ	भैषज्यज्योतिष मंजुषा	आईएसएसएनः 2348-0890
डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी	समृद्धि और भवभूति के नाटकों में वर्ण संस्कारः एक तुलनात्मक दृष्टि	श्री देवयान	आईएसएसएनः 2394-2436
	धर्म और धर्मशास्त्र वांग्मयः एक सिंहवलोकन	गंगाधरामृतम्	आईएसबीएन 978-93-88051-18-7
डॉ. मीनाक्षी मिश्रा	भारतीय संस्कृतौ श्राद्धस्य महत्वम्	वेदांजलि	आईएसएसएन 2349-364X
डॉ. दयाल सिंह पंवार	भारतीयदर्शनेषुप्रत्यक्ष-विमर्शः	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत रिसर्च	आईएसबीएन 2454-9177
	महाकविकालिदासस्यपारिवारिकचिन्तनम्	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत रिसर्च	आईएसबीएन 2454-9177
	वर्ण-समीक्षा के आलोक में वागुत्पत्ति-विमर्श	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत रिसर्च	आईएसबीएन 2454-9177

च. पीठ की प्रमुख उपलब्धि

प्राध्यापक का नाम	सम्मान	कार्यक्रम	पुरस्कार का नाम
डॉ. दयाल सिंह पंवार	पुरस्कार	प्रेरणा दर्पण साहित्यिक एवं संस्कृति मंच	प्रेरणा दर्पण साहित्य एवं संस्कृति मंच द्वारा अटल काव्य रत्न सम्मान 2020 से सम्मानित किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	व्याकरण	'अम्बकर्त्री टीकालोके वाक्यपदीयस्थब्रह्मकाण्डस्य परिशीलनम्' विषय पर कार्यशाला।	1 से 10 अक्टूबर, 2020
2.	ज्योतिष	धर्मनिरपेक्षता पर गान्धीजी के विचार-संभाषण प्रतियोगिता	30 सितंबर, 2020
3.	ज्योतिष	नई शिक्षा नीति पर वाद-विवाद प्रतियोगिता	28 अक्टूबर, 2020
4.	वास्तु शास्त्र	अनौपचारिक आभासिक शोधाकार्य प्रस्तुति कार्यक्रम	5 से 28 जून, 2020
5.	वास्तु शास्त्र	अनौपचारिक आभासिक शोधव्याख्यानामाला	1 से 12 जुलाई, 2020
6.	वास्तु शास्त्र	वास्तुशास्त्र राष्ट्रीय वेबिनार-वास्तुशास्त्र के शास्त्रीय कलात्मक एवं वैज्ञानिक आयोग	17 से 19 सितंबर, 2020
7.	वास्तु शास्त्र	वास्तुशास्त्र व्याकरण माला	1 से 20 मार्च, 2021

II. दर्शन पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ प्रमुख
प्रो. हरेराम त्रिपाठी

विभाग

न्याय विभागाध्यक्ष
प्रो. महानंद झा

सांख्य योग विभागाध्यक्ष
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी

योग विभागाध्यक्ष
प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी

जैन दर्शन विभागाध्यक्ष
प्रो. कुलदीप कुमार

सर्वदर्शन विभागाध्यक्ष
प्रो. संगीता खन्ना

मीमांसा विभागाध्यक्ष
प्रो. ए. एस. अरावमुदन

विशिष्टाद्वैत वेदांत विभागाध्यक्ष
प्रो. के. अनन्ता

अद्वैत वेदान्त विभागाध्यक्ष
डॉ. के.एस. सतीशा

क. पीठ के विषय में

प्राचीन विद्वानों द्वारा परिकल्पित और शास्त्रों में परिलक्षित पारंपरिक भारतीय दर्शन के क्षेत्र में उच्च ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए दर्शन (दर्शन) पीठ की स्थापना की गई थी। विश्वविद्यालय भारतीय दर्शन की विशिष्ट शाखाओं में अधिकेन्द्रित एवं गहन अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है, जबकि पारंपरिक विश्वविद्यालय दर्शन की सामान्य शिक्षण-अधिगम सुविधायें प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, जैन दर्शन विभाग अपनी विशेषताओं के कारण हिंदू दर्शन के साथ कई समानताएं साझा करता है। परमाणु सिद्धांत, कर्म सिद्धांत, अनेकांतवाद सिद्धांत, स्याद्वाद सिद्धांत, न्यायवाद सिद्धांत, अहिंसा सिद्धांत, आध्यात्मिकता, मध्यस्थता के तरीके और अहिंसा सभी आज की आधुनिक परिप्रेक्ष्य, समाज और राष्ट्र के लिए अनुकूल सिद्ध होते हैं। इसके अतिरिक्त, मीमांसा के व्याख्या के मानदंडों में दिए गए विशिष्ट निर्णयों के परिणामस्वरूप मीमांसा विभाग ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। छात्रों को समकालीन समस्यायों और मुद्दों के समाधान के लिए प्राचीन ग्रंथों का उपयोग किस प्रकार से किया जा सकता है, इस विषय में भी शिक्षित किया जाता है। सांख्य और योग इस बात में पूरक हैं कि सांख्य प्रकृति (पदार्थ) और पुरुष की अवधारणाओं की खोज करता है, लेकिन योग गहन मनोविज्ञान पर अधिक बल देता है और विविधउपायों के अभ्यास के माध्यम से मानव आत्म-उन्नयन में विश्वास करता है। सांख्य की प्राचीन परंपरा, जो सत्व-रज और तमस की धारणा को प्रतिपादित करती है, वह न्यूटन के गति के नियमों से जुड़ी हुई है और हमें क्वांटम भौतिकी को समझने के लिए प्रेरित करती है। पीठ सदस्यों के पर्यवेक्षण में, पीठीय छात्रों के लिए प्रमुख दार्शनिक मुद्दों पर शास्त्रार्थ का आयोजन किया गया।

ख. उद्देश्य

विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र पीठ का उद्देश्य छात्रों को भारतीय दर्शन की परंपराओं से अवगत कराना और उसमें निहित ज्ञान को दुनिया के समक्ष लेकर आने में सक्षम बनाना है। पीठ का लक्ष्य भारतीय दार्शनिक विषयों के बारे में गहन शोध करना और छात्रों में सामाजिक रूप से उपयोगी ज्ञान का निर्माण करना है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र	1. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन। 2. भारतीय दर्शन और जीवन। 3. दर्शन में वैज्ञानिक तथ्य। 4. आधुनिक विज्ञान और दार्शनिक विचार। 5. दर्शनशास्त्र में मानवीय मूल्य। 6. पारंपरिक दर्शन ग्रंथों को सीखने एवं उनकी रक्षा की विधि का प्रचार करें। 7. समाज एवं न्याय शास्त्र के बीच कार्य प्रणाली
विशेषतायें	– योग के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अभ्यास। – वेदांतिक ग्रंथों की दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पदनाम	प्राध्यापकों की संख्या
1	न्याय	आचार्य सह-आचार्य	03 01
2	सांख्य योग	आचार्य सह-आचार्य	02 01
3	योग	आचार्य सहायक आचार्य	01 03
4	जैन दर्शन	आचार्य	03
5	सर्व दर्शन	आचार्य सहायक आचार्य	04 01
6	मीमांसा	आचार्य सहायक आचार्य	01 01
7	वेदान्त	प्रोफेसर सह-आचार्य	02 02

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण:

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1	प्रो. जवाहर लाल	सर्वदर्शन	02
2	प्रो. संगीता खन्ना	सर्वदर्शन	02
3	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सर्वदर्शन	03
4	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सर्वदर्शन	01
5	प्रो. महेश प्रसाद सिलोडी	सांख्ययोग	01
6	डॉ. के.एस. सतीशा	अद्वैतवेदांत	01
7	डॉ. सुदर्शन एस्	वशिष्ठ अद्वैतवेदांत	02
		कुल	12

ङ. नामंकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य	अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल	कुल	योग	
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	61	40	11	6	6	0	0	0	22	9	0	0	2	1	102	56	158
2	स्नातकोत्तर	55	36	6	8	4	1	0	0	11	17	0	0	2	0	78	62	140
3	विशिष्टाचार्य		10	3	2	0	0	0	0	0	1	1	0	0	2	0	15	419
4	विद्यावारिधि	13	5	6	1	0	0	0	0	5	3	0	0	7	0	31	9	40
	कुल	**139**	**84**	**25**	**15**	**10**	**1**	**0**	**0**	**39**	**30**	**0**	**0**	**13**	**1**	**226**	**131**	**357**

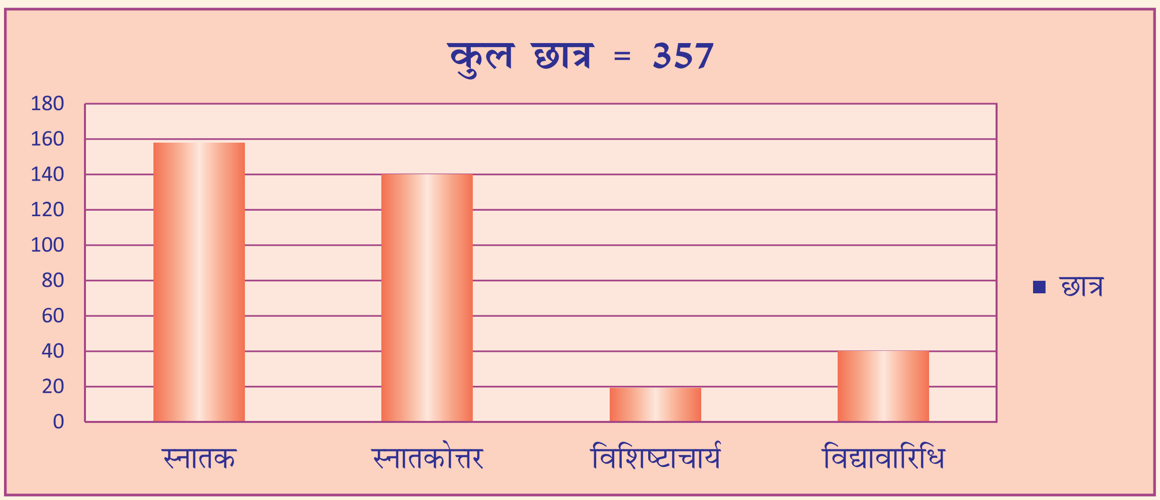

च. पीठ के अनुसंधान प्रकाशनः

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाहियों में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	योगविज्ञानम्	योगविज्ञानम्	आईएसबीएनः 978-93-87253834
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	बौद्धधर्मे ध्यानस्य स्वरूपम्	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946
प्रो. अनेकांत कुमार जैन	दसधम्मसारो अणुवेक्खासारो सावयधम्मसारो	प्राकृत विद्या	आईएसएसएनः 0971-796X
	समता सामाजिक विषमता का समाधान	अलखदृष्टि	आईएसएसएनः 23220074
	सम्यग्दृष्टि की निर्भयता	श्रमण	आईएसएसएनः 09721002
	आचार्य महाप्रज्ञ की काव्यात्मक अनुभूतियों में जीवन दर्शन	आचार्य महाप्रज्ञ का हिंदी साहित्य में अवदान	आईएसबीएनः 9789383634736
	भावेज्जअणुवेक्खं (प्रस्तावना)	वारसाणुवेक्ख	आईएसबीएनः 9788193058138
	जैनडॉक्ट्रिनऑफ न्याय (मोप्नोग्राफ सीरीज)	जैनडॉक्ट्रिनऑफ न्याय (मोप्नोग्राफ सीरीज)	आईएसबीएनः 9789383634699
	दसधम्मसारो	दसधम्मसारो	आईएसबीएनः 097881909686338
प्रो. कुलदीप कुमार	जैन दर्शन में पर्यावरण वैज्ञानिक चिंतन	शोध प्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946
	जैन दर्शन में ज्ञान मीमांसा	हिंदी और संस्कृत अनुसंधान पर राष्ट्रीय पत्रिका	आईएसएसएनः 2454-9177
	जैन सिद्धांत के कार्य कारण भाव	हिंदी और संस्कृत अनुसंधान पर राष्ट्रीय पत्रिका	आईएसएसएनः 2454-9177
	जैनदर्शने प्रमेयविमर्शः	हरि प्रभा	आईएसएसएनः 2278-0416

प्रो. वीर सागर जैन	क्षमा वाणी: एक अनुशीलन	क्षमा वाणी: एक अनुशीलन	आईएसएसएन: 2457-0583
	जीवन शैली में स्याद्वाद का प्रयोग	जिनवाणी	आईएसएसएन: 2249-2011
	समयसार में न्याय शास्त्र के प्रयोग	प्राकृत विद्या	आईएसएसएन: 0971-796X
राजेश कुमार गुर्जर	वैदिक ग्रंथो में पर्यावरण संरक्षण एवं मानवाधिकार	पर्यावरण संरक्षण एवं मानवाधिकार: एक समसामयिक विश्लेषण	आईएसबीएन: 9789388997300
विजय गुप्ता	जैन दर्शन में पर्वतीयसन्दर्भ: तत्त्वार्थसूत्र	जयराम सन्देश	आईएसएसएन: 0975-8739
	कोरोनाव्याधि में योग का प्रभाव	संस्कृत रत्नाकर	आईएसएसएन: 2395-3055
	योग परिचय सामाजिक परिप्रेक्ष्य	जयराम सन्देश	आईएसएसएन: 0975-8739
	आयुर्वेदग्रथेषु सांख्यदृष्ट्या तत्त्वनिर्धारणम्	व्युत्पत्ति	आईएसएसएन: 2455-171X
	भारतीय संस्कृति के धार्मिक महापर्व कुम्भ कई आधुनिक संदर्भ में उपादेयता	संस्कृत रत्नाकर	आईएसएसएन: 2395-3055
	अद्वैतवेदांत की शिक्षा शास्त्र दृष्टि	संस्कृत रत्नाकर	आईएसएसएन: 2395-3055
प्रो. के. अनन्ता	विशिष्टाद्वैतमते ब्राह्मण: सर्वशब्दवाच्यत्वम्	शोधप्रभा	आईएसएसएन: 0974 - 8946
डॉ. रामचंद्र शर्मा	न्यायदर्शनीय विशिष्टशक्तिवादविमर्श:	शोधप्रभा	आईएसएसएन 0974 - 8946
डॉ. रमेश कुमार	उपनिषदों में योग का स्वरुप	व्युत्पत्ति	आईएसएसएन: 2455-717X
	व्यष्टि एवं समष्टि का समन्वय: नाद योग	वेदांजलि	आईएसएसएन: 2349-364X
	कुंडलिनी योग	शब्दार्णव	आईएसएसएन: 2395-5104
	ध्यान का वैदिक एवं वैज्ञानिक स्वरूप	नवयोग	आईएसएसएन 978-9-358-406600-9

डॉ. विजय सिंह गुसाईं	महात्मा गाँधी एंड नेचर क्योर (नेचुरोपैथी)	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत	आईएसएसएन 2454-9177
	गाँधी एंड द प्रैक्टिस योगा	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड कांशसनेस	आईएसएसएन: 2455-2038
	व्हाट योगा इज नोट	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत	आईएसएसएन 2454-9177
	इम्पैक्ट ऑफ प्रेक्ष मैडिटेशन ऑफ सम रोल एंड रिलेशनशिपस एरिया ऑफ वर्क स्ट्रेस एग्जीक्यूटिव ऑफ मेट्रो सिटीज	तुलसी प्रज्ञ	आईएसएसएन 0974-2257
डॉ. नवदीप जोशी	योगा एज ए कार्डियो वर्कआउट: मोड्रेन प्रस्पेक्टिव फॉर द एथलिट्स	योग सन्देश	आईएसएसएन: 2565-5078
	ए स्टडी ऑफ सायिको-सयिकोलोजिकल कोसेलेट्स ऑफ योगा प्रेक्टिशनेर्स एंड सवसेकुएंट जेंडर कोम्पेरिजन	उजीर	आईएसएसएन: 2582-6417
	सूर्य चक्र सिद्धांत	योग विज्ञानम्	आईएसबीएन: 978-93-87253834

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:-

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1	योग	अंतर्राष्ट्रीय योग वेबिनार	20 जून, 2020
2	योग	महात्मा गांधी और योग पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	4 अगस्त, 2020

III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ प्रमुख
प्रो. जय कुमार एन्. उपाध्ये

विभाग

साहित्य विभागाध्यक्ष
प्रो. धर्मानन्द राउत

पुराणेतिहास विभागाध्यक्ष
प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

प्राकृत विभागाध्यक्ष
प्रो. कल्पना जैन

क. पीठ के विषय में

यह पीठ विश्वविद्यालय के सर्वप्राचीन पीठ में से अन्यतम है, जिसकी स्थापना से यह अस्तित्व में है। साहित्य और संस्कृति पीठ शिक्षार्थियों को साहित्य, पुराणेतिहस और प्राकृत के अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। यह पीठभारतीय परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और भूगोल के पुराण-आधारित ज्ञानधारा को प्रवाहित कर रहा है। पुराण अनुसंधान का भारतीय पर्यटन, भारतीय चिकित्सा, भारतीय व्यंजन, भारतीय कथा परंपरा और भारतीय व्यवहार जैसे विषयों पर व्यापक प्रभाव हो सकता है, जो विश्व के लोगों के लिए रुचिकर है। पुराण अनेक प्रकार के ज्ञान का सारांश हैं। पुराणों का उपयोग छात्रों को भारतीय कथा परंपरा से परिचित कराने के लिए किया जाता है। यह बहु-विषयक शोध करने का अवसर भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पीठ सदस्यों के पर्यवेक्षण में विविध शास्त्रीय क्षेत्रों में अनुसंधान किया जाता है। वर्ष के दौरान, विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और युवा उत्सवों का आयोजन किया गया।

ख. उद्देश्य

साहित्य किसी संस्कृति को जानने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। विश्वविद्यालय के साहित्य और संस्कृति पीठ का उद्देश्य है कि छात्र संस्कृत साहित्य के माध्यम से अपनी संस्कृति को जानें। प्राचीन भारतीय संस्कृति के गौरव को आधुनिक समाज से परिचित कराएं। विद्यालय का लक्ष्य है कि छात्र साहित्य, पुराण, इतिहास और प्राकृत भाषा आदि विषयों का अध्ययन कर एक सुविकसित साहित्यिक परंपरा से परिचित हों।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र	1.	संस्कृत साहित्य में भारत और भारतीय संस्कृति।
	2.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत साहित्य का महत्व।
	3.	भारतीय संस्कृति में संस्कृत साहित्य का योगदान।
	4.	संस्कृत साहित्य का इतिहास।
	5.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुराणों और इतिहास ग्रंथों का महत्व।
	6.	पुराणों और इतिहास ग्रंथों में विश्व कल्याण।
	7.	गीता में स्व प्रबंधन और विज्ञान।
	8.	कौटिल्य, शुक्राचार्य एवं वहृस्पति पाठों का अध्ययन
	9.	वेदों में प्राकृत के शब्दों की बहुलता।
	10.	प्राकृत साहित्य में जीवन मूल्य।
	11.	आधुनिक समस्याओं के संबंध में राजनीतिक विचार
	12.	प्राकृत और अपभ्रंश अप्रकाशित पांडुलिपियों का संरक्षण और संपादन।
विशेषतायें	–	बृहत त्रयी कोष योजना।

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1	साहित्य	आचार्य	03
		सह आचार्य	02
		सहायक आचार्य	03
2	पुराणेतिहास	आचार्य	01
3	प्राकृत	आचार्य	03

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण:

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1	प्रो. शुकदेव भोई	साहित्य	01
		कुल	01

ङ. श्रेणी वार नामंकित छात्रों का विवरण

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	59	12	0	0	1	0	0	0	4	2	0	0	1	0	65	14	79
2	स्नातकोत्तर	28	4	3	2	0	0	0	0	3	4	0	0	1	0	35	10	45
3	विशिष्टाचार्य	6	5	1	2	0	0	0	0	2	2	0	0	1	1	10	10	20
4	विद्यावारिधि	10	3	3	2	0	1	0	0	2	2	0	0	1	3	16	11	27
	कुल	**103**	**24**	**7**	**6**	**1**	**1**	**0**	**0**	**11**	**10**	**0**	**0**	**4**	**4**	**126**	**45**	**171**

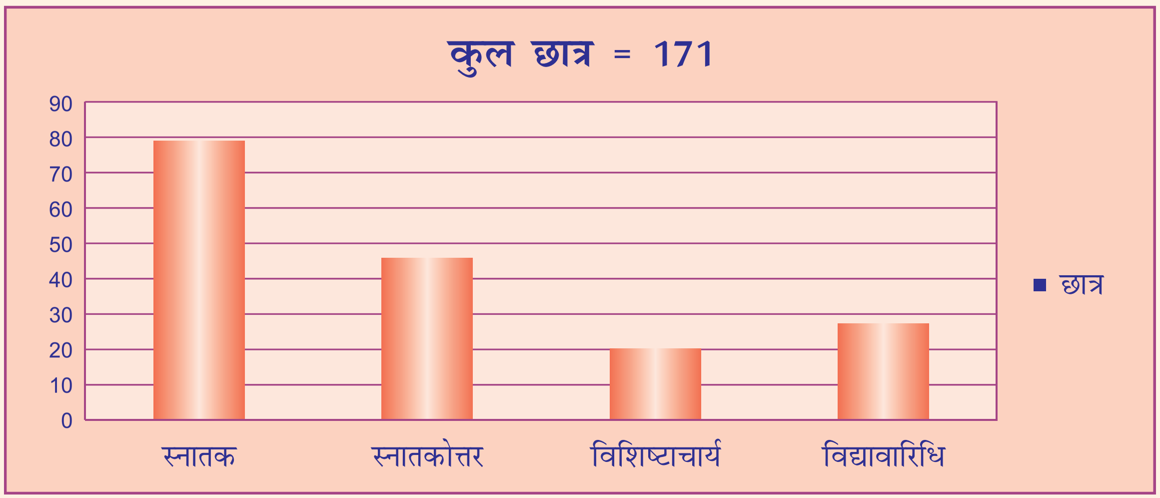

च. पीठ के अनुसंधान प्रकाशनः

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाहियों में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. सुमन कुमार झा	विलियमवड्र्सवर्थ-प्रतिपादितानां साहित्यकसमीक्षासिद्धांतानां विमर्श	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946
	आई.एरिचड्र्स-प्रतिपादितानां काव्यशास्त्रीय सिद्धांतानां विमर्श	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946

IV. आधुनिक विद्या पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ अध्यक्ष
प्रो. केदार प्रसाद परोहा

विभाग

मानविकी विभागाध्यक्ष
प्रो. सविता

आधुनिक विद्या विभागाध्यक्ष
श्री आदेश कुमार

शोध विभागाध्यक्ष
प्रो. शिवशंकर मिश्र

हिन्दू अध्ययन विभागाध्यक्ष
प्रो. शिवशंकर मिश्र

क. पीठ के विषय में

पीठ का मुख्य उद्देश्य संस्कृत में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और आधुनिक तकनीकों में विकसित करना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार आधुनिक विद्यापीठ शोध छात्रों को षणमासिक कोर्स पाठ्यक्रम में अनुसंधान पद्धति और साहित्य की समीक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर रहा है। आधुनिक विद्या पीठ के अंतर्गत पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और संगणक अनुप्रयोग, पर्यावरण विज्ञान और मानवाधिकार जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जा रहे हैं।

ख. उद्देश्य

आधुनिक विद्या पीठ का उद्देश्य छात्रों में न केवल एकतरफा विकास बल्कि सर्वाङ्गीण विकास प्रदान करना और विभिन्न विषयों में छात्रों में अनुसंधान संबंधी क्षमताओं का उत्पादन करना है। छात्रों में न केवल शारीरिक और मानसिक विकास, बल्कि मानवीय मूल्यों का भी विकास होता है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
2. वेदों में पर्यावरण।
3. भाषाविज्ञान।
4. भारतीय संस्कृति और संस्कृत वांगमाया।
5. आधुनिक विज्ञान और संस्कृत।
6. मानव अधिकार और मानव मूल्य संस्कृत वांगमय में।
7. संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार।
8. संस्कृत वांगमाया में पर्यावरण शिक्षा।

विशेषतायें – नवाचार के लिए छात्रों को कंप्यूटर और पर्यावरण राजनीति आदि का ज्ञान दिया जाता है ताकि छात्र विभिन्न क्षेत्रों में खुद को विकसित कर सकें।

ग. शोध मार्गदर्शन का विवरण

विश्वविद्यालय द्वाराएम.फिल./पी.एच.डी पाठ्यक्रमों हेतु यूजीसी विनियम, 2016के अनुपालन में एम.फिल. और पी.एच.डी. का संचालन किया जाता है।

शोध एवं प्रकाशन विभाग के विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में समय-सारणी के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार को शोधार्थियों की साप्ताहिक संगोष्ठी आयोजित की गईं जिनमें शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

घ. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1	मानविकी	आचार्य	03
		सह-आचार्य	01
		सहायक-आचार्य	02
2	आधुनिक विद्या	सह-आचार्य	01
		सहायक-आचार्य	02
3	शोध	आचार्य	01
4	हिन्दू अध्ययन		

ङ. पीठ के अनुसंधान प्रकाशनः

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाहियों में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. शिवशंकर मिश्र	आख्यानः स्वरुप एवं महत्त्व	शोधप्रभा	आईएसएसएनः 0974-8946

च. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1	मानविकी	राष्ट्रीय वेबिनार	7 से 9 जून, 2020
2	मानविकी	सक्षम द्वारा "जागृत माताः स्वस्थ शिशु" पर राष्ट्रीय वेबिनार	15 अक्टूबर, 2020
3	शोध	आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला	26 जुलाई, 2020

V. शिक्षा पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठ अध्यक्ष	विभाग	शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष
प्रो. के. भारत भूषण		प्रो. के. भारत भूषण

क. पीठ के विषय में

शिक्षा पीठ की स्थापना1987 में की गयी और तब से यह पीठ आधुनिक ज्ञान विज्ञान पीठ के तत्वावधान में कार्यरत है, जो विश्वविद्यालय के नोडल पीठों में से एक है। प्रतिबद्धता, क्षमता और आत्मविश्वास के साथ संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में से संस्कृत शिक्षक निर्माण के लिए अग्रणी केंद्रों में से अन्यतम है। इसका उद्देश्य वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी समर्थित शैक्षिक कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप प्रसारित की जा रही आकांक्षाओं और आदर्शों के साथ तालमेल प्रदान करना है। यह कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है और संस्कृत भाषा अध्यापन में दक्षताओं का निर्माण करता है। यह पीठ बी.एड., एम.एड., और पीएच.डी कार्यक्रमों की व्यवस्था शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य और विद्यावारिधि के रूप में प्रदान करता है।

ख. उद्देश्य

शिक्षा शास्त्र के स्कूल का उद्देश्य आधुनिक शिक्षण सामग्री और शिक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षार्थियों के मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक विकास को विकसित करके भविष्य के शिक्षकों का निर्माण करना है। जिससे समाज में शिक्षा से संबंधित विकास में आ रही बाधाओं को दूर किया जा सकेगा।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. शिक्षा की दार्शनिक।
2. शिक्षा के सामाजिक आधार।
3. शिक्षा का मनोविज्ञान।
4. शिक्षा तकनीक।
5. मापन और मूल्यांकन।
6. शिक्षार्थी अनुकूल शिक्षाशास्त्र

विशेषतायें

- शिक्षण अधिगम केन्द्र
- संसाधन कक्ष और लैब्स।
- विभागीय पुस्तकालय।

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1	शिक्षा	आचार्य	11
		सहायक आचार्य	19

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं.	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1	प्रो. भास्कर मिश्रा	शिक्षा	02
2	प्रो. नागेंद्र झा	शिक्षा	02
3	प्रो. मीनाक्षी मिश्र	शिक्षा	01
		कुल	**05**

ङ. श्रेणी वार नामंकित छात्रों का विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुलयोग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक (बी.एड.)	104	66	24	35	10	14	5	2	39	67	0	0	11	15	193	199	392
2	स्नातकोत्तर (एम.एड.)	5	6	0	1	1	0	0	0	3	2	0	3	0	0	9	12	21
3	विशिष्टाचार्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
4	विद्यावारिधि	6	2	2	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2		10	4	14
	कुल	**115**	**74**	**26**	**36**	**11**	**14**	**5**	**2**	**42**	**71**	**0**	**3**	**13**	**15**	**212**	**215**	**427**

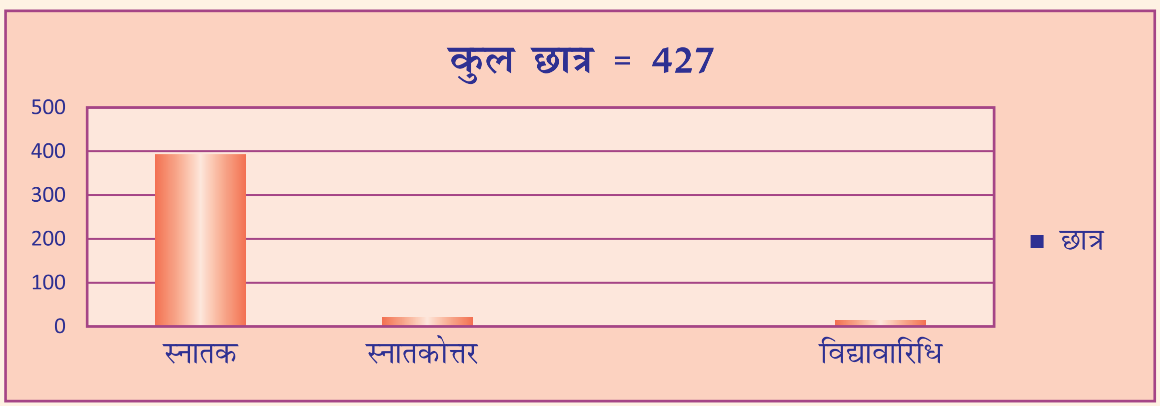

च. पीठ के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/ संपादित वॉल्यूम/ प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाहियों में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	वैदिक एवं बौद्धिकालीन स्त्री शिक्षा की प्रासंगिकता	शोधप्रभा	आईएसएसएन: 0974-8946
	एजुकेशन इन कंटेम्परारी इण्डिया	कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली	आईएसबीएन 978-81-951998
	मदरसा एजुकेशन इन इण्डिया	कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली	आईएसबीएन 978-81-951998-4-6
	शिक्षा योजना एवं प्रशासन	कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली	आईएसबीएन 978-81-950394-3-2
	एक्सेस, इक्वलिटी एंड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन: चौलेंजिस एंड फ्यूचर पर्पेक्ट्स	सिनेरगीजिंग एजुकेशनल कंसर्नस एंड सोशल नीड्स	आईएसबीएन 93-90370-30-2
	पं. मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों की प्रसांगिकता	शैक्षिक उन्मेष	आईएसएसएन 2581-687X
	आचार्य रजनीश का शिक्षा दर्शन तथा वर्तमान में उसकी प्रसांगिकता	शैक्षिक उन्मेष	आईएसएसएन 2581-687X
	भारतीय वांगमय में अध्यापक शिक्षा की संकल्प	शैक्षिक उन्मेष	आईएसबीएन 978-81-951998
प्रो. रचना वर्मा मोहन	किशोरों का सामाजिक व्यवहार एवं समायोजन: समस्यायें एवं समाधान	बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	आईएसएसएन 2455-4588
	किशोरवस्था में मूल्य अंतर्द्वंद्व और चिंता	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत रिसर्च	आईएसएसएन 2454-9177
	सामान्य और आरक्षित वर्ग के छात्राध्यापकों के कक्षा व्यवहार तथा शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन	संस्कृत शोध संदेश	आईएसएसएन 2394-1022

	थ्योरेटिकल एनालिसिस ऑफ जेंडर इश्यूज इन सयिको सोशल प्रेस्पेकटिव	सुमंगली	आईएसएसएन 2229-6336
	महात्मा गांधी के शैक्षिक प्रयोग	महात्मा गांधी	आईएसबीएन 978-93-88039-51-2
प्रो. अमिता पाण्डेय	प्रोमोटिंग वैनलेस लाइफस्टाइल थ्रू स्ट्रेस मैनेजमेंट इन एजुकेशन	यूनिवर्सिटी न्यूज एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज, वॉल्यूम 58, नं. 44 नवम्बर 02-08, 2020 पृ.संख्या 24-30	
	संस्कृत टीचिंग हेंडबुक एट अप्पर प्राइमरी लेवल (हिंदी एंड संस्कृत)	शिक्षण-अधिगम-केन्द्रम्प्रकाशनम्, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि., नवदेहली, 2020	
	संस्कृत टीचिंग हेंडबुक एट अप्पर सेकंडरी लेवल (हिंदी एंड संस्कृत)	शिक्षण-अधिगम-केन्द्रम्प्रकाशनम्, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि., नवदेहली, 2020	
डॉ. सुरेंद्र महतो	श्रीमद्भागवत गीता में शांति शिक्षा का स्वरूप	भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका	आईएसबीएन 0970-7603
	उच्चारणशिक्षण / संशोधनकौशलम्	संस्कृत संवाद	आईएसबीएन-2321-4937
डॉ. अजय कुमार	टेक्लिंग द टीचिंग इन डाइवर्सिटी, इन्क्लुजन एंड स्पेशल सेटअप ऑफ एजुकेशन	एफेक्टिव स्ट्रेटेजिज फॉर टीचिंग अनफ लर्निंग	आईएसबीएन 978-93-89875-74-4
डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार	शब्दशक्तिविमर्शः	हरि प्रभा	आईएसएसएन 2278-0416
	रोल ऑफ मिडिया इन करिकुलम डवेलोप्मेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन	मॉडरेन थमिज रिसर्च	आईएसएसएन 2321-984X
	शैक्षिक प्रबंधनम्	सरस्वती प्रकाशन, जयपुर	आईएसबीएन 978-93-84277-46-8
डॉ. परमेश कुमार शर्मा	भाषायाः आयामाः कौशलानि च	भारती पत्रिका	आईएसएसएन-2249698X
	स्मृति ग्रंथेषु शिक्षा	आन्वीक्षिकी	आईएसएसएन-09739777
डॉ. कैलाश चंद मीणा	गीता में शैक्षिक विचार	शोधशौर्यम्	आईएसएसएन-2581-6306
	प्राचीन ग्रन्थानां वर्णाश्रमविषये-मूलतत्त्वम्	शिक्षास्मृति	आईएसएसएन-2454-1249
	संस्कृत शिक्षायां सर्वशिक्षाभियानम्	संस्कृतशिक्षायां सर्वशिक्षाभियानम्	आईएसबीएन 978-81-951511-2-7

विश्वविद्यालय के केन्द्र

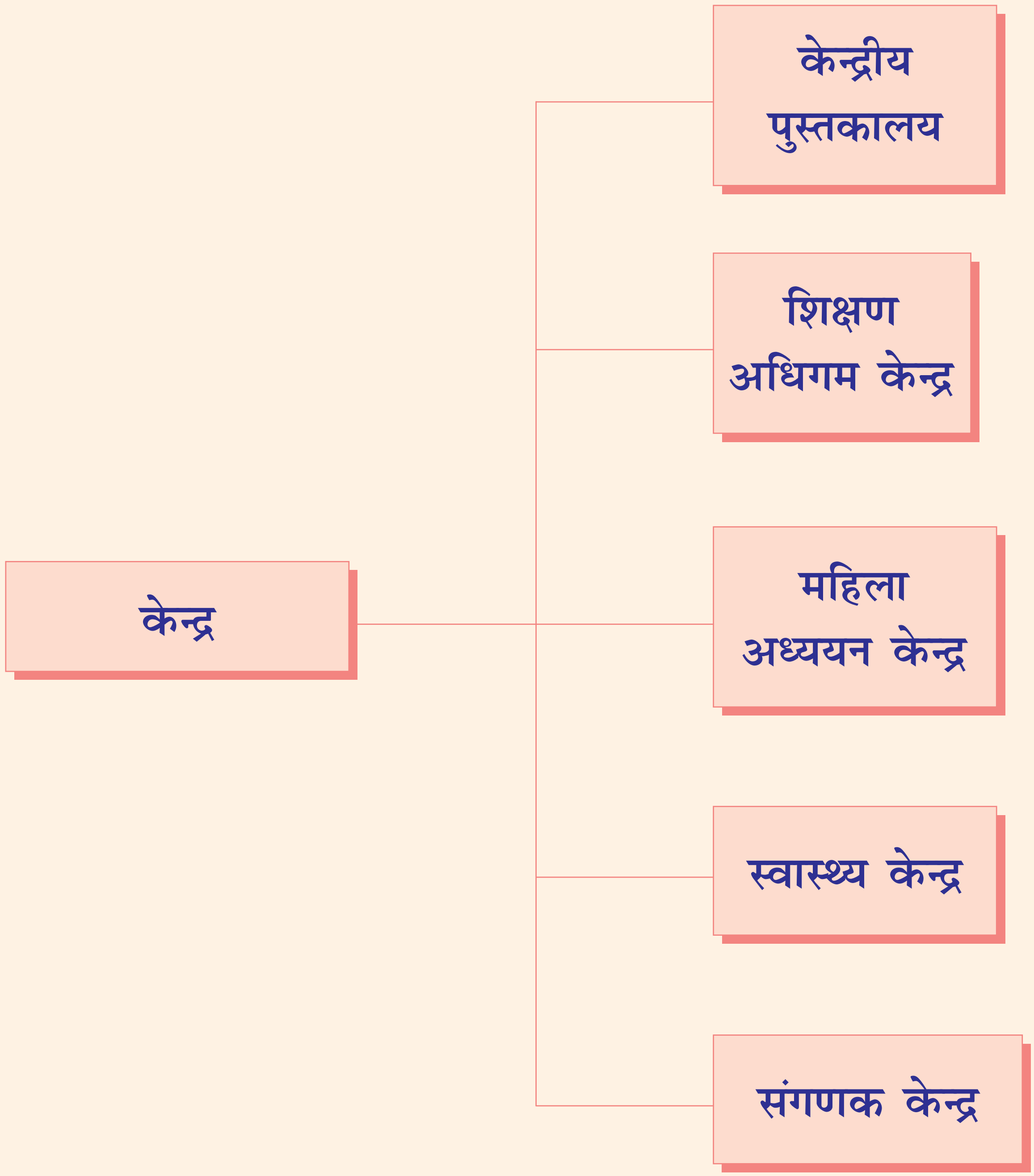

केन्द्रीय पुस्तकालय

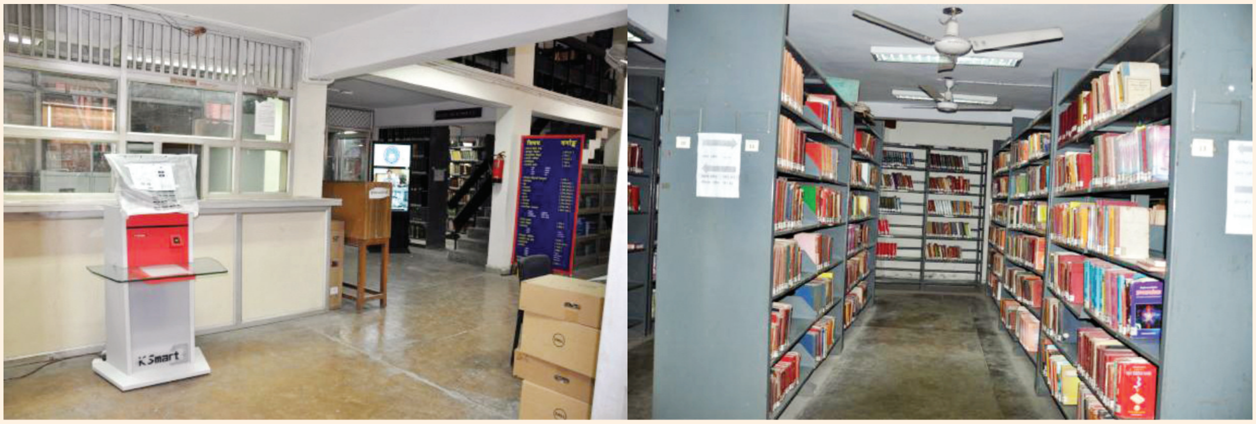

क. पुस्तकालय में विषय में

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय समुदाय द्वारा आवश्यक जानकारी और ज्ञान संसाधनों तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने और संरक्षित करने के साथ-साथ निष्पक्ष सीने और अनुसंधान के समृद्ध वातावरण तक पहुंच को निष्पक्ष रूप से सक्षम करने के उद्देश्य के साथ अपनी स्थापना से अस्तित्व में था। पुस्तकालय को महामहोपाध्याय 'पद्मश्री डॉ. मंडनमिश्र' ग्रंथालय भी कहा जाता है, जिसमें संस्कृत के पारंपरिक और आधुनिक समन्वयिक ज्ञान राशियों का संग्रह विद्यमान है। वेद, पुराण, उपनिषद्, धर्मशास्त्र, योग, ज्योतिष, व्याकरण, वास्तुशास्त्र, साहित्य, दर्शन, पौरोहित्य, आयुर्वेद के साथ-साथ शिक्षा, दर्शन, मनोविज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी और अन्य समकालीन विषयों का संग्रह पुस्तकालय को ज्ञान राशि का एक वास्तविक कोष बनाता है।

पुस्तकालय के अतिरिक्त, दुर्लभ मूल्यवान पांडुलिपियों के साथ पांडुलिपि पुस्तकालय विश्वविद्यालय की गौरवमयी राशि है, जिसमें 594 बांग्ला, 112 उड़िया पांडुलिपियों सहित विभिन्न विषयों की 1697 पांडुलिपियां विद्यमान हैं। शेष पांडुलिपियां देवनागरी लिपि में विद्यमान हैं और ये पांडुलिपियां संस्कृत साहित्य की विभिन्न शाखाओं से संबंधित हैं यथा- वेद, उपनिषद्, पुराण, ज्योतिष, व्याकरण, वेदांत, सांख्य योग, न्याय, कर्म-कांड, धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत और आयुर्वेद इत्यादि। प्राय: यह विक्रम संवत् 1800 से 2000 काल की हैं और कुछ तो इससे भी प्राचीन कालीन हैं।

पाण्डुलिपि संग्रह में महाभारत की एक दुर्लभ पांडुलिपि है, जिसमें प्रत्येक अध्याय की शुरुआत में महत्वपूर्ण घटनाओं की व्याख्या हस्त निर्मित चित्रों द्वारा अध्याय के रूप में वर्णित हैं। उड़िया में लिपि कुछ पांडुलिपियां ताड़पत्रों पर अंकित हैं। विश्वविद्यालय, मंत्रालय के पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत पांडुलिपियों को संरक्षित करने में लगा हुआ है।

केंद्रीय पुस्तकालय का वार्षिक प्रतिवेदन 2021 हमारी रणनीतिक दिशाओं को रेखांकित करने और हमारी उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने का प्रयास करता है। यह वर्ष एक गतिशील और बदलते परिवेश द्वारा चिह्नित किया जाएगा।

ख. पुस्तकालय सेवाएं

पुस्तकालय सेवाविध	मौजूदा	नव नियोजित	कुल			
पाठ्य पुस्तकें	3420	2307037	500	3,40,260	3920	26,47,297
संदर्भ पुस्तकें	2951	1444791	337	2,37,475	3288	16,82,266
ई पुस्तकें –						
पत्रिकायें	164	100301	124	63,243	124	63,243
ई-पत्रिकायें	6	13620	06	14,950	06	63,243
डिजिटल डेटा बेस	518	–			518	
सीडी और वीडियो	–	–				
अन्य (उल्लेखित) –	–					

ग. उपरोक्त के अलावा पुस्तकालय में निम्नलिखित पुस्तकालय सॉफ्टवेयर भी स्वचालित है

ILMS सॉफ्टवेर का नाम	स्वचालन की प्रकृति (पूर्ण रूप या आंशिक रूप से)	संस्करण	स्वचालन वर्ष
LIBSYS	पूर्ण रूप से	10	2010-11

घ. संसाधनों का विवरण

संग्रह संसाधन	मार्च 2021 तक
पुस्तकें	1,09,471
धारावाहिक	124
थीसिस	449
अन्य गैर-पुस्तक सामग्री (सीडी)	125

ङ. परिसंचरण सांख्यिकी

सर्कुलेशन डेस्क पुस्तकालय के अंदर और बाहर अध्ययन सामग्री के अवधान हेतु है, बुनियादी दिशात्मक और सूचनात्मक प्रश्नों के साथ सहायता प्रदान करता है, पुस्तकालय विशेषाधिकारों के बारे में जिज्ञासा समाधान करता है और शुल्क-जुर्माना से सम्बधित कार्य भी देखता है।

परिसंचरण संसाधन	अप्रैल 2020-मार्च 2021
निर्गम	1486
प्रत्यर्पित	2153
नवीकरण	294
अन्य गैर-पुस्तक सामग्री	20

च. ई-संसाधन विवरण (प्रत्यक्ष सदस्यता)

केंद्रीय पुस्तकालय छात्रों और शोधार्थियों के लाभ के लिए इलेक्ट्रॉनिक संग्रह की बढ़ती रेंज और संख्या के प्रबंधन के तरीकों और दृष्टिकोण को विकसित कर रहा है। यह प्रतिवेदन विश्वविद्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग की अत्याधुनिक स्थिति की समीक्षा प्रस्तुत करता है।

संसाधन		2020									2021			Total
		अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सित	अक्तू	नम्ब.	दिस.	जन.	फर.	मार्च	योग
पुस्तकालय प्रगति (अंतर्राष्ट्रीय) सदस्यता		1	0	3	1	1	2	2	3	1	1	0	0	15
विश्व डिजिटल पुस्तकालय -आंतरिक जर्नल	सदस्यता	2	0	2	0	0	2	0	0	8	2	1	1	18
विश्व डिजिटल पुस्तकालय -आंतरिक जर्नल	सदस्यता	2	0	2	0	0	2	0	0	8	2	1	1	18
ज्ञानकोष - पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन जर्नल	सदस्यता	0	1	1	0	7	0	3	1	7	0	0	1	21
पर्ल- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल	सदस्यता	5	2	2	1	1	1	2	2	3	1	2	1	23
पुस्तकालय हेराल्ड	सदस्यता	2	0	0	0	0	4	0	2	1	1	0	0	10
ज्ञान और संचार प्रबंधन जर्नल	सदस्यता	0	0	5	2	4	3	1	3	1	1	1	1	22
	कुल	**10**	**3**	**13**	**4**	**13**	**12**	**8**	**11**	**21**	**6**	**4**	**4**	**109**

छ. विभिन्न कार्यक्रमों में पुस्तकालय कर्मचारियों की प्रतिभागिता

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम
1.	“शिक्षाविदों एवं सामाजिक जीवन पर कोविड 19 के प्रभाव” विषयक राष्ट्रीय वेबिनार।
2.	“बदलते पर्यावरण के संदर्भ में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान” विषयक राष्ट्रीय वेबिनार।
3.	“डिजिटल संदर्भ में सूचना और अनुसंधान की पहुंच और प्रभाव” पर राष्ट्रीय वेबिनार।
4.	“21 वीं सदी के सूचना कौशल” विषयक वेबिनार श्रृंखला।
5.	दिव्यांगता विषयक राष्ट्रीय वेबिनारः कोविड 19 के दौरान शिक्षण और सीखने की सुगमता।
6.	“शैक्षणिक प्रकाशन और अनुसंधान प्रभावशीलता अभिवृद्धि” विषयक राष्ट्रीय वेबिनार।
7.	शिक्षा और अनुसंधान में नैतिकता विषयक राष्ट्रीय वेबिनार।
8.	“ई-संसाधनों के लिए उपयोग के आंकड़े और इन्फिस्टैट उपयोग निगरानी पोर्टल” विषयक राष्ट्रीय वेबिनार।
9.	इन्फीड और क्लाउड होस्टिंग
10.	ईटीडी, शोधगंगा और शोधगंगोत्री का परिचय।
11.	“अनुसंधान लेखन और प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल” विषयक कार्यशाला।
12.	वर्तमान और अग्रिम भविष्य के पुस्तकालय “भविष्य के पुस्तकालय।” राष्ट्रीय वेबिनार पुस्तकालय।
13.	बौद्धिक संपदा अधिकारः अवधारणा और आवश्यकता।

ज. पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का पदवार विवरण

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	वरिष्ठ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	01
2.	वरिष्ठ प्रोफेशनल सहायक	01
3.	प्रोफेशनल सहायक	03
4.	सेमी प्रोफेशनल सहायक	02
5.	पुस्तकालय सहायक	03
6.	पुस्तकालय परिचर	05

शिक्षण अधिगम केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केंद्र की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना के अंतर्गत वर्ष 2017 में गई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षा विशेष रूप से संस्कृत से जुड़े शिक्षकों और शिक्षक-प्रशिक्षकों में शिक्षण अधिगम प्रणालियों से सम्बन्धित डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन के लिए कौशल और दक्षताओं को विकसित करना है। सन् 2017 में केंद्र की स्थापना के पश्चात से केन्द्र की अध्यक्षता प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज द्वारा की जा रही है।

ख. कार्यक्रमों का विवरण

कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने चतुर्थ चरण (IV (2020-21) में ग्यारह ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसके माध्यम विविध राज्यों के विविध विषयों के विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/विद्यालयों के 2023 प्रतिभागी शिक्षकों को लाभ मिला।

इन कार्यक्रमों का विवरण विषय, तिथि, अवधि और प्रतिभागियों की संख्या के सहित निम्न प्रकार से है-

आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

क्र.सं.	विषय	दिनांक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	डिजाइन एवं विकास: मूलपाठ और प्रतिरूप ई-संसाधन	13 से 15 मई, 2020	त्रिदिवसीय	193
2.	डिजाइन एवं विकास: श्रव्य एवं दृश्य ई-संसाधन	26 से 28 मई, 2020	त्रिदिवसीय	212
3.	डिजाइन एवं विकास: ऑनलाइन मूल्यांकन	08 से 10 जून, 2020	त्रिदिवसीय	228
4.	सृजन एवं प्रबंधन करना: ऑनलाइन शिक्षण	18 से 20 जून, 2020	त्रिदिवसीय	230
5.	संस्कृत में शैक्षिक दर्शन और मनोविज्ञान	20 से 24 जुलाई, 2020	पञ्चदिवसीय	209
6.	शिक्षा में साइबर सुरक्षा	17 से 21 अगस्त, 2020	पञ्चदिवसीय	184
7.	मूल्यांकन और अनुसंधान उपकरण विकास	07 से 11 सितंबर, 2020	पञ्चदिवसीय	189
8.	एम.एस. अधिकारी की अग्रिम विशेषताएं	05 से 09 अक्टूबर, 2020	पञ्चदिवसीय	197
9.	अनुसंधान में मात्रात्मक और गुणात्मक दृष्टिकोण	18 से 28 नवंबर, 2020	दसदिवसीय	140
10.	आई.सी.टी, आधारित शिक्षण और मूल्यांकन	18 से 22 जनवरी, 2021	पञ्चदिवसीय	143
11.	संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक प्रबंधन और नेतृत्व	15 से 19 मार्च, 2021	पञ्चदिवसीय	98

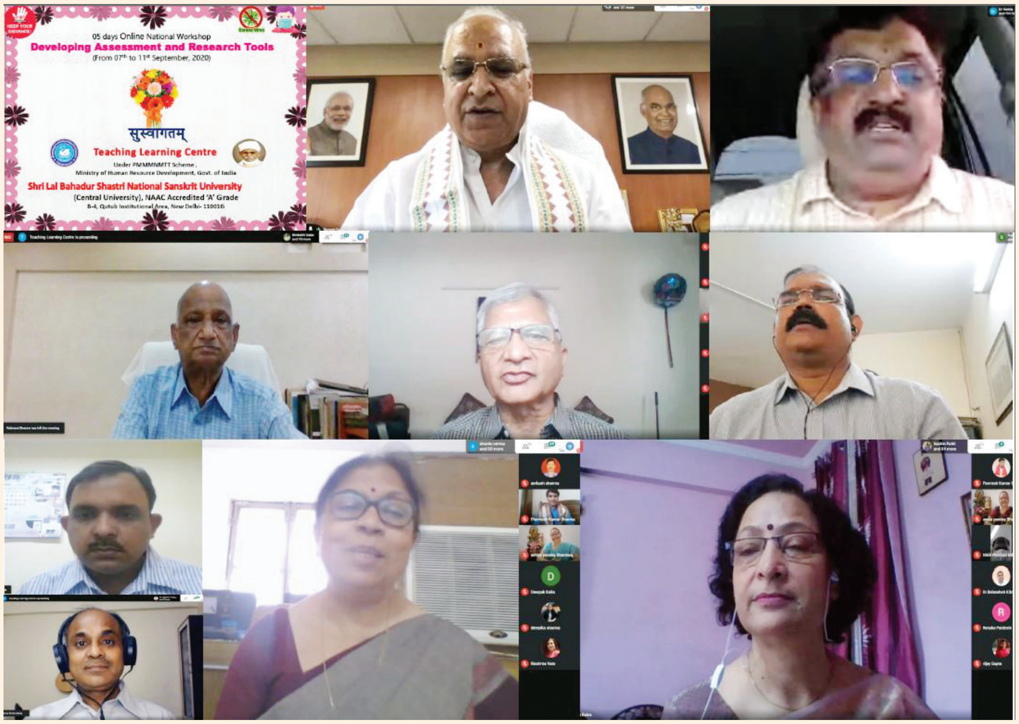

ग. संसाधन विकास

विभिन्न कार्यशालाओं के आधार पर, केंद्र ने संस्कृत शिक्षण के लिएउच्च प्राथमिक स्तर पर और माध्यमिक स्तर पर दो हैंडबुक विकसित की हैं, जिसे 11 सितंबर, 2021 को प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी (कुलपति, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर) द्वारा माननीय कुलपति प्रो. रमेशकुमार पांडे (श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) की भव्य उपस्थिति में अभासिक रूप से लोकार्पित किया गया। इन हैंडबुक्स को रचनावादी दृष्टिकोण पर विकसित किया गया था जिसकी वकालत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) - 2005 द्वारा भी की गई है। ये पुस्तिकाएं सेवापूर्व शिक्षकों, सेवारत संस्कृत शिक्षकों और भाषा शिक्षकों को उनके शिक्षण अधिगम की योजना बनाने, डिजाइन करने, व्यवस्थित करने और अधिक प्रभावी तरीके से मूल्यांकन करने में सहायक होंगी। संप्रेषणीयता को बढ़ाने के लिए हैंडबुक की सामग्री को संस्कृत और हिंदी दोनों भाषाओं में पृष्ठवार प्रस्तुत किया जाता है।

घ. अर्पित पाठ्यक्रम 2020-संस्कृत विषयक

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना के अंतर्गत स्थापित शिक्षण अधिगम केंद्र को 'स्वयं' के माध्यम से संस्कृत विषय में ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम-अर्पित (शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम) पाठ्यक्रम के विकास और संचालन के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए ARPIT-2019 को सफलतापूर्वक ARPIT-2020 के रूप में आयोजित किया गया था।

ङ. शिक्षण अधिगम केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों का पदवार विवरण

क्र.सं.	पद नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	परियोजना प्रमुख	01
2.	प्राध्यापक सदस्य	02
3.	प्रशासनिक अधिकारी	01
4.	लेखा अधिकारी	01
5.	प्रोजेक्ट फैसिलिटेटर	01
6.	कंप्यूटर सहायक	02
7.	कनिष्ठ लिपिक	02
8.	बहुकार्य कर्मचारी	02

महिला अध्ययन केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 10वीं पंचवर्षीय योजना के तहत 2005 में विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई थी। 2006 में पीठ सदस्यों को नियुक्त किया गया था, लेकिन उसी वर्ष जनवरी से यह कार्यरत है। विश्वविद्यालय में स्थित केन्द्र का उद्देश्य सूचनाओं का कोष संग्रहण है। महिला अध्ययन केन्द्र तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित है:

1. महिलाओं के अध्ययन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक ग्रंथों का विश्लेषण और पुनर्व्याख्या करना।
2. पूर्व महिला रोल मॉडल की जीत और उपलब्धियों को उजागर करना।
3. भारतीय महिलाओं के गौरवशाली अतीत और सम्मान को पुनर्जीवित करना।

प्रो. रजनी जोशी चौधरी 01 नवम्बर 2011 से केन्द्र की प्रभारी निदेशक हैं।

ख. सत्र 2020-2021 के दौरान केन्द्र द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां सम्पन्न की गईं

1. 'जेंडर सेंसिटाइजेशन एंड अवेयरनेस' कार्यक्रम में अध्यापन करने वाले शिक्षकों के उन्मुखीकरण के लिए 20 फरवरी 2021 को एक ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया।
2. गूगल मीट के माध्यम से 22 फरवरी 2021 से 26 फरवरी 2021 तक शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 'जेंडर सेंसिटाइजेशन एंड अवेयरनेस' नामक दस दिवसीय फाउंडेशन कोर्स का आयोजन किया गया।
3. 06 मार्च 2020 को 'सवस्तिवाचन' संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
4. सुमंगली: जेंडर एंड इंडियन हेरिटेज रिसर्च जर्नल, अंक (2019) प्रकाशित और 2020-2021 का संयुक्त अंक प्रकाशन की अंतिम स्थिति में है।

ग. महिला अध्ययन केन्द्र में कार्यरत कर्मचारियों का पदवार विवरण

क्र.सं.	पद नाम	कर्मचारियों की संख्या
1	निदेशक प्रभारी	01
2	अनुसंधान सहायिका	01
3	बहुकार्य कर्मचारी	01

स्वास्थ्य केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में-

विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केन्द्र छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को आपातकालीन उपचार एवं सुविधायें प्रदान करता है। आपातकालीन स्थिति में उपचार और स्वास्थ्य जांच के लिए सभी आवश्यक उपकरण स्थापित किए गए हैं। स्वास्थ्य केन्द्र में स्थापित उपकरणों में एक डिफाइब्रिलेटर, एक वॉल्यूमेट्रिक इन्फ्यूजन पम्प, एक ई.सी.जी और मल्टीपल मॉनिटर शामिल हैं। स्वास्थ्य केन्द्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ और दन्त रोग विशेषज्ञ हैं। यह केन्द्र लाभार्थियों को सप्ताह में दो दिन नियमित लैब नमूने संग्रहण की सुविधा प्रदान करता है। स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं को विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए चौबीस घंटे संचालित किया जा सकता है। सुविधा का उपयोग विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर समीक्षा और निर्धारित नीतियों द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

ख. निम्नलिखित चिकित्सकों द्वारा केन्द्र में सेवाएं प्रदान की जा रही हैं

- डॉ. मोनिका शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
- डॉ. नवनीश मनोचा (दन्त रोग विशेषज्ञ)

संगणक केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

विश्वविद्यालय के संगणक केन्द्र ने वर्षों से परिसर में सूचना एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित सेवाओं के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य किया है। विश्वविद्यालय के लिए सॉफ्टवेयर विकास में संगणक केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय संगणक केन्द्र श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी पीठ सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को विविध सेवाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय-व्यापी नेटवर्क के चालू होने के साथ, संगणक केन्द्र सूचना एवं प्रौद्योगिकी जरूरतों के लिए विश्वविद्यालय की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में है। यह केन्द्र एक डेटा केन्द्र, उच्च प्रदर्शन संगणन सुविधा, प्रशिक्षण केन्द्र, अत्याधुनिक सर्वर, भंडारण और विभिन्न उन्नत एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर की सुविधा प्रदान करता है। कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय के व्यापक एक जी.बी.पी.एस. फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क का समर्थन करता है जो सभी शैक्षणिक विभागों, छात्रावासों, पुस्तकालयों, बिल्डिंग ब्लॉक्स और अन्य केन्द्रीय सुविधाओं को जोड़ता है। कंप्यूटर केंद्र ई-परिसर सुविधा प्रदान करता है जिसमें इंटरनेट शामिल है, जो उच्च गति और निर्बाध सयुंक्तता के साथ 24x7 के लिए खुला रहता है। प्रयोगशालाओं, छात्रावासों और पुस्तकालयों ने वायर्ड गीगाबिट लैन कनेक्टिविटी और वायरलेस एक्सेस पॉइंट्स के माध्यम से संगणन सुविधाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय परिसर को वाई-फाई, सक्षम ई-परिसर में बदल दिया गया है। कंप्यूटर केन्द्र संगणन सुविधाओं, प्रशिक्षण, शिक्षण, ई-मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास और प्रबंधन आदि में विश्वविद्यालय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं को उनके मूल्यवान डेटा का विश्लेषण करने में मदद करता है, विश्वविद्यालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करता है एवं पहुंच को सक्षम बनाता है। वर्ल्ड वाइड वेब और विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों को प्रयोगशाला की सुविधा प्रदान करता है।

ख. वर्तमान सूचना एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना

- विश्वविद्यालय सुसज्जित इन्टरनेट सुविधा युक्त तीन वातानुकूलित प्रयोगशालायें हैं और पाठ्यक्रम के अनुरूप छात्रों में कौशलाभिवृद्धि के लिए एवं नई चुनौतियों का सामना करने के लिए विभिन्न शिक्षण उपकरण जैसे- इंटरेक्टिव बोर्ड, एल.सी.डी., टी.वी., मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर और विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सॉफ्टवेयर उपयोग किये जाते हैं।
- विश्वविद्यालय में अन्य प्रयोगशालाएं भी हैं जैसे-भाषा प्रयोगशाला, शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और शिक्षा विभाग के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला (शिक्षण अधिगम केन्द्र) जिसमें 126 संगणक और अन्य आवश्यक सूचना एवं प्रौद्योगिकी उपकरण विद्यमान हैं।
- इसके अतिरिक्त, शोधार्थियों और नेट कोचिंग कक्षाओं के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी उपकरणों के साथ अतिरिक्त दो स्मार्ट क्लासरूम भी स्थापित किए गए हैं।
- विश्वविद्यालय के समारोह/कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्वर्ण जयंती सदन के भू गृह में दो इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किए गए हैं।
- विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय के एनकेएन परियोजना के तहत 1.0 जी.बी.पी.एस. पी.आर.आई इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेट सुविधाएं हैं। यह छात्रों, पीठों, शोधकर्ताओं और सभी विभागों को विभिन्न स्त्रोतों से सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने और डाउनलोड करने की सुविधा प्रदान करता है।
- परिसर नेटवर्किंग और वाई-फाई कनेक्टिविटी: विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत श्रप्ष नेटवर्क के माध्यम से सभी छात्रों, पीठों और विभागों आदि के लिए वाई-फाई की सुविधा है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय परिसर में इंटरनेट सेवाओं के लिए अपनी आधारभूत नेटवर्क संरचना भी है।
- विश्वविद्यालय ने यूजीसी के एम.ओ.ओ.सी और स्वयं पोर्टल के लिए संस्कृत के विभिन्न विषयों में वीडियो व्याख्यान की रिकॉर्डिंग के लिए आभासी ई-कक्ष की स्थापना की है।
- संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों में विश्वविद्यालय की त्रिभाषी वेबसाइट व्यवस्था है और समय-समय पर इसका आधुनिकीकरण किया जाता है।
- विश्वविद्यालय में 550 विस्तार डिजिटल और एनालॉग लाइनों के साथ ई.पी.ए.बी.एक्स. सुविधा है।
- कंप्यूटर केंद्र समय-समय पर उभरती प्रौद्योगिकीयों जैसे सर्वर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग उपकरण आदि के अनुसार अपने उपकरणों का उन्नयन भी करता है।

ग. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

विभिन्न विषयों में नियमित कंप्यूटर विषय के अतिरिक्त, कंप्यूटर केंद्र समय-समय पर छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है ताकि उनके कार्य में उपयोग होने वाले संगणक कौशलों की अभिवृद्धि हो और कामकाजी ज्ञान को बढ़ाया जा सके।

घ. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

संगणक केंद्र कौशलों एवं ज्ञान अभिवृद्धि और विश्वविद्यालय के लिए राजस्व उत्पन्न करने के लिए कामकाजी पेशेवरों और छात्रों के लिए सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) में स्व-वित्तपोषित 06 महीने की अवधि परिमित अंशकालिक डिप्लोमा कंप्यूटर पाठ्यक्रम चलाता है।

- वेब डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट
- ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट

ङ. प्रशिक्षण कार्यक्रम

संगणक केंद्र समय-समय पर Google मीट के माध्यम से शिक्षकों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं लेने के लिए ऑनलाइन ट्यूटोरियल और लघु प्रशिक्षण वीडियो आयोजित करता है और अन्य कर्मचारी सदस्यों को इस कोविड-19 महामारी की स्थिति में आभासीय बैठकों में भाग लेने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, संगणक केंद्र विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और अनुसंधान विद्वानों के लिए उनके संगणकीय कौशलों में आने वाली चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में सहायता के लिए अल्पकालिक संगणक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

च. संगणक केन्द्र में कार्यरत कर्मचारियों का पदवार विवरण

क्र.सं	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	01
2.	सहायक प्रोग्रामर	01
3.	तकनीकी सहायक	02
4.	लैब अटेंडेट	01

विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ एवं इकाईयां

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रयासों और उत्कृष्टता के उपायों को व्यवस्थित करने के लिए एवं विश्वविद्यालय के अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियों में गुणवत्ता विकसित करने के उद्देश्य से की गई है।

अंतर्राष्ट्रीयकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में संस्थागत कामकाज के उपायों को बढ़ावा देने के लिए, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की गतिविधियाँ कुलपति की देखरेख में संपन्न की जाती हैं और आगे की कार्रवाई की सिफारिश करता है। **प्रो. बिहारी लाल शर्मा, प्रोफेसर (ज्योतिष) को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) का निदेशक नियुक्त किया गया है।**

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें:-

आईक्यूएसी बैठक - 25.05.2020

स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ

परिसरस्थानान्तरण सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के कैलेंडर में बहुप्रतीक्षित घटनाओं में से एक है। प्लेसमेंट सेल और काउंसलिंग सेल हमारे छात्रों के लिए SLBSNSU की आजीविका प्रतिबद्धता का हिस्सा है। एसपीओ छात्रों को उपकरण और विभिन्न अन्य सॉफ्ट स्किल्स पर कौशल के सेट के साथ पूरक करने में मदद करने पर ध्यान केन्द्रित करता है जो उन्हें नौकरी खोजने में मदद करेगा। प्रकोष्ठ को आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी देनी होगी और विश्वविद्यालय के छात्रों की नियुक्ति के लिए तौर-तरीके तय करने होंगे। प्रकोष्ठ आवश्यकता पड़ने पर किसी विशेषज्ञ सदस्य को सहयोजित कर सकता है। प्लेसमेंट सेल को उचित रिकॉर्ड बनाए रखने की आवश्यकता होगी और प्रस्तुतिकरण करने की आवश्यकता होगी। प्लेसमेंट सेल कार्यशालाओं का आयोजन करता है उद्योग और अकादमिक दोनों विधायों के विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है। एसपीओ का संचालन स्टाफ और छात्रों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो संबंधित प्लेसमेंट के समन्वय का ध्यान रखते हैं। **इस प्रकोष्ठ की समन्वयिका प्रो. रजनी जोशी चौधरी हैं।**

कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत की गई थी। करियर काउंसलिंग सेल विद्यापीठ के छात्रों को उनके व्यक्तित्व विशेषताओं और उनके संचार कौशल को बढ़ाकर विभिन्न पेशे के लिए उनकी विषम आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि के साथ तैयार करता है। **प्रकोष्ठ की समन्वयिका प्रो. रजनी जोशी चौधरी हैं।**

समान अवसर प्रकोष्ठ

भारत विविधतायों का देश है और विभिन्न जातीयों, भाषायों, क्षेत्रों, आर्थिक एवंधार्मिक वर्गों के समूहों का केंद्र है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली को कर्मचारियों और छात्रों के साथ समान व्यवहार करने के लिए उन्मुख बनाना और उनकी जाति, उम्र, लिंग, विकलांगता इत्यादि भेदभाव किए बिना समान अवसर दिया जाए इस उद्देश्य से, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 2019 में समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) की स्थापना की ताकि कर्मचारी एवंविशेष रूप से छात्र विशेष अवसरों का लाभ उठाने के लिए निष्पक्ष और समान व्यवहार की परिकल्पना कर सकें और गैरकानूनी भेदभाव, उत्पीड़न से मुक्त हों। **प्रो. नीलम ठगेला, आचार्या (ज्योतिष) समान अवसर प्रकोष्ठ की अध्यक्ष हैं।**

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें:-

समान अवसर प्रकोष्ठ बैठक - 09.12.2020

अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ

भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सम्बन्धित आरक्षण नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की नियुक्ति, पदोन्नति, प्रवेश, स्टाफ क्वार्टर और छात्रवृत्ति छात्रावास आदि के आवंटन की व्यवस्था दृष्टि से विश्वविद्यालय में सदस्यों का गठन किया गया है। **प्रो. नीलम ठगेला, (आचार्या, वेद-वेदांग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।** पिछले वर्षों की तुलना में शैक्षणिक एवं और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या में और विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के नामांकन में पर्याप्त सुधार हुआ है।

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें:-

रोस्टर समिति की बैठक - 25.11.2020

वर्ष के दौरान, प्रकोष्ठ ने विभिन्न शिक्षण और गैर-शिक्षण वर्गों के रोस्टर रजिस्टरों को तैयार कर अंतिम रूप दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी विज्ञापनों की उचित जांच की गई और बैकलॉग रिक्तियों को विज्ञापनों के लिए रिकॉर्ड में रखा गया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के संबंध में सांख्यिकीय विवरण तैयार किया गया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रेषित किया गया।

पदों में आरक्षण का विवरण (श्रेणी वार)

शैक्षणिक कर्मचारी

शैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	विकलांग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	कुल
आचार्य (Direct)	पुरुष	08	01	–		–	–	09
	महिला	–	–	–	–	–	–	–
आचार्य (CAS के अंतर्गत)	पुरुष	32	02	–	--	.	–	34
	महिला	09	02	–	--	–	–	11
सह आचार्य (Direct)	पुरुष	02	–	–	–	–	–	02
	महिला	00	–	–	--	–	–	00
सह - आचार्य (CAS के अंतर्गत)	पुरुष	10	01	–	–	01 VH	–	12
	महिला	01	–	–	–	–	–	01
सहायक आचार्य (Direct)	पुरुष	12	02	01	05		01	21
	महिला	04	–	–	02	–	–	06
सहायक आचार्य (सीएएस 11/12 के अंतर्गत)	पुरुष	02		02	04			08
	महिला	04	–	–	–			04
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुरुष	01	–	–	–	–	–	01
	योग	**85**	**08**	**03**	**11**	**01**	**01**	**109**

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

गैरशैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	विकलांग	अल्प-संख्यक	कुल
'अ' वर्ग	पुरुष	08	01	–	01	–	–	10
	महिला	02	–	–	–	–	–	02
'बी' वर्ग	पुरुष	17	02	–	–	–	–	19
	महिला	10	–	–	–	–	–	10
'स' वर्ग (बहुकार्य कर्मचारी वर्ग सहित)	पुरुष	41	10	03	10	02 UR	–	66
	महिला	08	–	–	–	–	–	08
कुल		**86**	**13**	**03**	**11**	**02**	–	**115**

विश्वविद्यालय में अनुसूचित, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बैकलॉग रिक्त पदों का विवरण (31.03.2021 तक)

शैक्षणिक

क्र.सं.	पद नाम	बैकलॉग अनुसूचित शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग पद न भरने का कारण
		अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	
1	आचार्य	0	0	0	01	0	01	0	0	0	
2	सह – आचार्य	03	0	03	01	0	01	04	0	04	
3	सहायक आचार्य	06	0	06	03	0	03	03	0	03	
	योग	**09**	**0**	**09**	**05**	**0**	**05**	**07**	**0**	**07**	

गैर शैक्षणिक

क्र.सं.	पद नाम	बैकलॉग अनुसूचित शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग पद न भरने का कारण
		अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	
1	अवर्ग	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
2	बवर्ग	0	0	0	01	0	01	0	0	0	
3	सवर्ग (पूर्ववर्ती ग्रुपडी कैडर सहित)	0	0	0	0	0	0	02	0	02	
	योग	**0**	**0**	**0**	**01**	**0**	**01**	**02**	**0**	**02**	

विश्वविद्यालय द्वारा यथासमय बैकलॉग रिक्त पदों को भरने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए गए हैं। कुछ समय पहले ही विश्वविद्यालय द्वारा रिक्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के संबंध में विज्ञापन की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू की गई है। हाल ही में, आरक्षित पदों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2021 के माध्यम से विज्ञापित किया गया है और आवेदन की अंतिम तिथि 27.7.2021 थी। गैर-शिक्षण पदों कोभरने के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को आवेदित किया गया है और सम्प्रति उनके उत्तर की प्रतीक्षा है। आशा है कि शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिकरिक्त पदों को यथाशीघ्र भरा जाएगा। यदि विज्ञापन संख्या 01/2021 के अनुसार नियुक्तियां नहीं की जाती है तो विशेष भर्ती अभियान भी शुरू किया जाएगा।

एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर)

क. एन.सी.सी. के विषय में

एन.सी.सी. कैडेटों ने स्थापना दिवस, व्याख्यानमालायों, रक्तदान शिविर आदि जैसे विभिन्न विश्वविद्यालयीय गतिविधियों में भाग लिया। एन.सी.सी. कैडेटों ने एनसीसी निदेशालय के स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, गणतंत्र दिवस पूर्व शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम रैली, पीएम रैली, युवा कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों में भी भाग लिया। विश्वविद्यालय में एन.सी.सी. गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण और समन्वयार्थ (प्रो.) मीनू कश्यप बालिका वर्गकी अधिकारी एवं लेफ्टिनेंट (डॉ.) अभिषेक तिवारी एन.सी.सी. बालक वर्ग के अधिकारी के रूप में नियुक्त हैं।

ख. गतिविधियाँ

- 25 कैडेटों ने 5 सितंबर, 2020 को डीजीएनसीसी एपीपी में विभिन्न गतिविधियों के फॉर्म भरने और जमा करने में भाग लिया।
- 25 कैडेटों ने फिट इंडिया गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें उन्होंने 15 से 30 सितंबर, 2020 के दौरान बड़े पैमाने पर जनता को प्रेरित करने वाली गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाले वीडियो और तस्वीरें साझा कीं।
- 10 अक्टूबर, 2020 को एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट अभिषेक तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर एक वेबिनार में 25 कैडेटों ने भाग लिया।
- 17-18 अक्टूबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 25 कैडेटों ने भाग लिया।
- विश्वविद्यालय के 05 कैडेटों ने 28 अक्टूबर, 2020 से 03 नवंबर 2020 तक ऑनलाइन आत्मानिर्भर भारत शिविर में भाग लिया।
- जेयूओ नीतीश कुमार ने 05-10 नवंबर, 2020 को आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर' (ईबीएसबी) में भाग लिया।

- 04 कैडेटों ने 17-22 नवंबर, 2020 को समूह मुख्यालय-सी, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली में आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया।
- 05 कैडेटों ने 20 से 30 नवंबर, 2020 के बीच सामाजिक जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में कोविड-19 शीर्षक पर पोस्टर बनाकर जागरूकता पैदा करने और समाज प्रेरणा अभियान में भाग लिया।
- एसजीटी सौरभ कुमार ने 2 दिल्ली बीएन एनसीसी द्वारा आयोजित पैरा-सेलिंग में भाग लिया,जिसका आयोजन 28 दिसंबर, 2020-02 जनवरी, 2021 के दौरान हुआ।
- 25 कैडेटों ने 12 दिसंबर, 2020 को स्मारकों आदि की स्वच्छता में भाग लिया।
- 25 कैडेटों ने 17 नवंबर से 13 दिसंबर, 2020 के दौरान संविधान दिवस युवा क्लब गतिविधियों के उत्सव में भाग लिया, जिसमें निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गईं: पोस्टर निर्माण, कविता लेखन, निबंध लेखन, नारा, शपथ लेना आदि।
- 05 कैडेटों ने 15 दिसंबर, 2020 - 31 जनवरी, 2021 के दौरान 3 डीजीबीएन द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान (नुक्कड़ नाटक) में भाग लिया।
- 05 कैडेटों ने 7 डीबीएन एनसीसी द्वारा आयोजित डिजिटल इंडिया विषय पर कविता निर्माण में भाग लिया, जो 05- 08 जनवरी, 2021 के बीच हुआ।
- 06 जनवरी, 2021 को 7 डीबीएन एनसीसी, रोहिणी के हवलदार राजेश द्वारा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में ऑनलाइन माध्यम से शास्त्री/ बीए प्रथम वर्ष के कैडेटों का चयन।
- 25 कैडेटों ने डिजिटल जागरूकता फैलाने में भाग लिया जो 22-28 जनवरी, 2021 के बीच हुआ।
- 25 कैडेटों ने 03-08 फरवरी, 2021 के बीच 7 दिल्ली बीएन द्वारा आयोजित एनसीसी भवन, रोहिणी में एटीसी (शिविर) में भाग लिया।
- 13 कैडेट 07 मार्च 2021 को एपीएस धौलाकुआं, नई दिल्ली में बी सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए उपस्थित हुए।
- 13 कैडेट 09 मार्च 2021 को ग्रुप सी मुख्यालय, सफदरजंग एन्क्लेव में बी सर्टिफिकेट प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए उपस्थित हुए।
- 22 मार्च, 2021 को लेफ्टिनेंट अभिषेक तिवारी की अध्यक्षता में विश्व जल दिवस पर 'जल संरक्षण' विषय पर एक वेबिनार में 10 कैडेटों ने भाग लिया।
- एक कैडेट ने 02 अप्रैल, 2020 को 'COVID' योगदान के प्रथम चरण में भाग लिया
- 2 कैडेटों ने 20 जून, 2020 चरण 2 में भाग लिया।
- 01 अगस्त, 2020 को 06 कैडेटों ने आत्म निर्भर भारत शपथ में भाग लिया।

- 02 कैडेटों ने 05 नवंबर 2020 को ईबीएसबी बिहार और झारखंड में भाग लिया।
- 02 कैडेटों ने 24 नवंबर, 2020 से पैरासेलिंग कैंप में भाग लिया।
- 22 जनवरी, 2021 को फिट इंडिया साइक्लोथॉन में 19 कैडेटों ने भाग लिया।
- 13 कैडेटों ने 3 डीजीबीएन में 09-14 फरवरी, 2021 तक सीएटीसी शिविर में भाग लिया।
- 12 कैडेटों ने 9 फरवरी, 2021 को ट्वीटर और लॉजिंग गतिविधि में भाग लिया।
- 12 कैडेटों ने 07 मार्च, 2021 को बी सर्टिफिकेट परीक्षा में भाग लिया।

एन.एस.एस. (राष्ट्रीय सेवा योजना)

क. एन.एस.एस.के विषय में-

विश्वविद्यालयकी राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है जिसमें इसके स्वयंसेवक भाग लेते हैं और तत्काल समुदाय की सेवा करते हैं। इसके द्वारा विविध रक्तदान शिविरों के साथ-साथ कई अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके द्वारा आपदाओं के दौरान राहत कार्यों भी किया जाता है और विशेष शिविरों का आयोजन करता है। विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. की गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समन्वयार्थ डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार सहयोगी एन.एस.एस. इकाई के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

ख. गतिविधियाँ

- 100 एन.एस.एस स्वयंसेवकों ने 10 जून 2020 से 31 मार्च 2021 तक कोलकॉम, एन.एस.एस. जे.एन.यू और श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित 'साइबर अपराध जागरूकता अभियान' में भाग लिया।
- 100 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 21 जून 2020 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी में भाग लिया।
- 1 जुलाई 2020 से 31 मार्च 2021 तक कोलकॉम, एन.एस.एस. जे.एन.यू. और श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय एन.एस.एस. यूनिट द्वारा आयोजित 'साइबर चौंपियन एंबेसडरशिप' कार्यक्रम में 100 एन.एस.एस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 11 जुलाई 2020 को कोलकॉम, एन.एस.एस जे.एन.यू. एवं श्री.ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय की एन.एस.एस यूनिट द्वारा आयोजित कोरोना महामारी में मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा में 100 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 100 एनएसएस स्वयंसेवकों ने16 जुलाई को कोलकॉम, एन.एस.एस जे.एन.यू और श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित साइबर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

- 27 जुलाई 2020 को कुमार मंगलम् विश्वविद्यालय एन.एस.एस इकाई, भागीदारी जन सहयोग समिति और श्री.ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय इकाई द्वारा आयोजित 'महिला साइबर अपराध' में 100 एन.एस.एस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 100 एन.एस.एस स्वयंसेवकों ने 28 जुलाई 2020 को कोलकॉम, एन.एस.एस जे.एन.यू. और श्री.ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित 'साइबर अपराध और सुरक्षा' कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्री.ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के 02 स्वयंसेवकों ने 11 नवंबर 2020 को आई.पी. विश्वविद्यालय द्वारिका, नई दिल्ली में प्री आर.डी में भाग लिया।

केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत)

जन सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विद्यापीठ के निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नियुक्त किया गया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम एवं सम्पर्क सूत्र	पद नाम	सूचना क्षेत्र
1.	डॉ. अलका राय, वित्त अधिकारी और कुलसचिव (I/C) 011-46060567	अपीलीय अधिकारी	कोई भी व्यक्ति जो सीपीआईओ/सीएपीआईओ से निर्दिष्ट समय के भीतर सूचना/उत्तर/निर्णय प्राप्त नहीं करता है और पीड़ित है, आरटीआई अधिनियम, 2005 के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी को अपील कर सकता है।
2.	श्री अजय कुमार टंडन, उप कुलसचिव (लेखा एवं विकास) 011-46060521	पारदर्शिता अधिकारी	सूचनाओं को वेबसाइट पर प्रकाशित (अपलोड) करने के संबंध में पारदर्शिता।
3.	श्री बनवारी लाल वर्मा सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर 011-46060616	नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत दिए गये नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी के कर्तव्य और जिम्मेदारियां।
4.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा पीठ प्रमुख, वेद वेदांग पीठ 011-46060643	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	वेद वेदांग पीठ से संबंधित सूचना।
5.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी, पीठ प्रमुख, दर्शन पीठ 011-46060319	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	दर्शन पीठ से संबंधित सूचना।

6.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा, पीठ प्रमुख आधुनिक विद्या 011-46060527	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	आधुनिक विद्या पीठ से संबंधित सूचना।
7.	प्रो. के. भारत भूषण पीठ प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र पीठ (शिक्षा) 011-46060636	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शिक्षा पीठ से संबंधित सूचना।
8.	प्रो. जय कुमार एन. उपाध्याय, पीठ प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति पीठ 011-46060518	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	साहित्य और संस्कृति पीठ से संबंधित सूचना।
9.	प्रो. नीलम ठगेला पीठ प्रमुख छात्र कल्याण पीठ 011-46060621	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	छात्र कल्याण से संबंधित सूचना।
10.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोडी, विभागाध्यक्ष, योग विभाग 011-46060641	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	योग पीठ से संबंधित सूचना
11.	प्रो बिहारी लाल शर्मा निदेशक-आईक्यूएसी सेल॰ 11-46060651	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	आई.क्यू.ए.सी, एंटी रैगिंग सेल और कुलानुशासक से संबंधित सूचना।
12.	प्रो. रचना वर्मा मोहन, मुख्य सतर्कता अधिकारी 9910000824	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	सतर्कता मामलों से संबंधित सूचना।
13.	डॉ. रजनी जोशी चौधरी निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र 011-46060618	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	महिला अध्ययन केंद्र, करियर परामर्श प्रकोष्ठ एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की गतिविधियों से संबंधित सूचना।
14.	प्रो. शिव शंकर मिश्र, विभागाध्यक्ष, शोध विभाग 011-46060609	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शोध एवं प्रकाशन विभाग से संबंधित सूचना।
15.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा प्रमुख (हिंदी राजभाषा समिति) 011-46060525	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	केंद्रीय राजभाषा से सम्बंधित सूचना।
16.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज आचार्य और निदेशक (PMMMNMTT (TLC)) 9811580640	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी।	PMMMNMTT (TLC) परियोजना से संबंधित सूचना।

17.	प्रो. (श्रीमती) मीनू कश्यप, सह आचार्य (अंग्रेजी) 011-46060540	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एन.सी.सी. (छात्रा वर्ग) से संबंधित सूचना।
18.	डॉ. एस.एन. झा छात्रावास वार्डन (आई/सी) 011-46060353	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विद्यापीठ के छात्र छात्रावास से संबंधित सूचना।
19.	डॉ अभिषेक तिवारी सहायक आचार्य, हेड-एनसीसी 9654039797	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एन.सी.सी. (छात्र वर्ग) से संबंधित जानकारी।
20.	श्री मनोज कुमार मीणा, सहायक आचार्य-शारीरिक शिक्षा 011-46060528	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विद्यापीठ की शारीरिक शिक्षा/खेल गतिविधियों /व्यायामशाला से संबंधित सूचना।
21.	डॉ. कांता उप कुलसचिव (परीक्षा) 011-46060520	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	परीक्षा विभाग से संबंधित जानकारी।
22.	श्री रमाकांत उपाध्याय, कार्यकारी अभियंता (सिविल) 011-46060323	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	इंजीनियरिंग विभाग से संबंधित सूचना।
23.	श्री राजेश कुमार पाण्डेय सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष 011-46060532	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	पुस्तकालय से संबंधित सूचना।
24.	श्री सुषमा डेमला, सहायक कुलसचिव (लेखा) 011-46060559	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	लेखा एवं वित्त अनुभाग से संबंधित सूचना।
25.	श्री सुच्चा सिंह सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक) 011-46060548	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शैक्षणिक अनुभाग, छात्रों से संबंधित मामले और एससी/एसटी/ओबीसी/पीएच आदि से संबंधित सूचना।
26.	श्री मंजीत सिंह सहायक कुलसचिव (गैर-शिक्षण एवं चयन) 011-46060556	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	1. गैर-शैक्षणिक विभाग और जन सूचना अधिकार मामलों से संबंधित सूचना। 2. मंत्रालय/यूजीसी के संसदीय प्रश्नों, कोर्ट केस और चयन आदि से
27.	श्री जय प्रकाश सिंह सहायक कुलसचिव (GAD) 011-46060646	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	सामान्य प्रशासन स्टोर, सुरक्षा व्यवस्था और जनसूचना अधिकार, चिकित्सा बिल भुगतान से संबंधित सूचना।

28.	श्री राजेश कुमार सहायक रजिस्ट्रार (विकास/अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ) 011-46060682	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विकास अनुभाग, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, अतिथि गृह एवं स्वास्थ्य केन्द्र से संबंधित सूचना।
29.	श्रीमती भारती त्रिपाठी सहायक रजिस्ट्रार (शैक्षणिक) 011-46060501	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	1. शैक्षणिक विभाग एवं जनसूचना अधिकार से संबंधित सूचना। 2. मंत्रालय/यू.जी.सी. के संसदीय प्रश्नों, कोर्ट मामलों और चयन आदि से संबंधित सूचना।
30.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी निजी सचिव (कुलपति) 011-46060605	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	कुलपति कार्यालय से सम्बन्धित सूचना।
31.	श्री जी.सी. शर्मा सहायक प्रोग्रामर (कंप्यूटर) 011-46060645	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	संगणक केन्द्र से संबंधित सूचना।

जनसूचना अधिकार वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली

सीआईसी की अनिवार्य आवश्यकता के अनुसार विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है।

विश्वविद्यालय के अनुभाग

- अनुभाग
  - लेखा
  - शैक्षणिक
  - प्रशासन
  - विकास
  - परीक्षा
  - प्रकाशन
  - विश्वविद्यालय कार्य विभाग

लेखा

वित्त एवं लेखा विभाग वित्त अधिकारी के पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इसमें उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अनुभाग अधिकारी, सहायक, वरिष्ठ लिपिक, कैशियर एवं कनिष्ठ लिपिक कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान प्राप्त करता है। लेखा विभाग विश्वविद्यालय कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सामान्यत: तीन शीर्षो (1) वेतन (2) आवर्ती और (3) पूंजी के तहत अनुदान स्वीकृत किया जाता है।

लेखा विभाग के कामकाज को अधिक कुशल तरीके से प्रबंधित करने के लिए, कुछ समितियों का गठन किया गया है। जिसमें यह दो समितियां महत्वपूर्ण हैं:-

1. वित्त समिति
2. निवेश समिति

विश्वविद्यालय का लेखा विभाग प्रगतिशील है और पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है।

लेखा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	वित्त अधिकारी	01
2.	उप कुलसचिव	01
3.	सहायक कुलसचिव	01
4.	अनुभाग अधिकारी	01
5.	सहायक	02
6.	वरिष्ठ लिपिक	02
7.	कनिष्ठ लिपिक	02
8.	बहुकार्य कर्मचारी	01

शैक्षणिक

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुभाग का उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाना और विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों और अन्य सम्बन्धित विषयों में छात्रों को नामांकन की सुविधा प्रदान करना है। शैक्षणिक अनुभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों, कक्षाओं और विषयों में नामांकित छात्रों के विषय में सूचना और डेटा प्रदान करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों को परामर्श प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है।यह अनुभाग छात्रों की उपस्थिति और छात्रों के अभिलेख का अवधान करता है।

शैक्षणिक अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	उप कुलसचिव	01
2.	सहायक कुलसचिव	01
3.	सहायक	01
4.	वरिष्ठ लिपिक	03
5.	कनिष्ठ लिपिक	01
6.	बहुकार्य कर्मचारी	02

प्रशासन

प्रशासन अनुभाग में तीन उप-विभाग शामिल हैं। प्रशासन-I (शैक्षणिक), प्रशासन-II (गैर-शैक्षणिक) और प्रशासन-III (सामान्य) इन उप-विभागों का विवरण नीचे दिया गया है :-

प्रशासन I (शैक्षणिक) खंड

प्रशासन अनुभाग (शैक्षणिक) विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण भाग है और विश्वविद्यालय के कुलसचिव के पर्यवेक्षण में कार्य करता है।

यह अनुभाग मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों और विनियमों के साथ-साथ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित गतिविधियों को सम्पादित करता है।

प्रशासन -I अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	01
5.	बहुकार्य कर्मचारी	01

प्रशासन-II (गैर-शैक्षणिक) खंड

प्रशासन अनुभाग-II विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण इकाई है जो कुलसचिव और कुलपति के समग्र पर्यवेक्षण में कार्य करती है। यह अनुभाग विश्वविद्यालय के पेंशनभोगियों सहित सभी गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के सेवा मामलों से सम्बन्धित कार्य संपादित करता है।जिन नियमो एवं विनियमों को संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 और विश्वविद्यालय के नियम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किया जाता है, उनको इसके द्वारा अपनाया जाता है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 136 स्वीकृत गैर-शैक्षणिक पद हैं तथा 115 कर्मचारी गैर-शैक्षणिक पदों पर कार्यरत हैं।

प्रशासन-II अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01
4.	वरिष्ठ लिपिक	01
5.	कनिष्ठ लिपिक	01

प्रशासन-III (सामान्य) खंड

सामान्य प्रशासन अनुभाग विश्वविद्यालय को प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग कुलसचिव के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य करता है। संबंधित कार्यालयों के सुचारू संचालन की सुविधा हेतु यह अनुभाग शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। सुरक्षा सेवाओं, स्टोर और क्रय, भारत सरकार के विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों/समारोह के कार्यान्वयन, कानूनी मामलों, भवन आवंटन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि विषयों के लिए विभिन्न सरकारी/ गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अनुभाग (सामान्य) का नेतृत्व सम्बन्धित सहायक कुलसचिव द्वारा किया जाता है, जो अनुभाग में आवंटित कार्यों और जिम्मेदारियों पर अवधान करते हैं। सामान्य प्रशासन अनुभाग विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण वर्ग की आवश्यकता पूर्ति के लिए सेवा सुविधा और समन्वय इकाई के रूप में भी कार्य करता है।

प्रशासन-III अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01
4.	वरिष्ठ लिपिक	01
5.	बहुकार्य कर्मचारी	01

विकास

विकास अनुभाग विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र, जलपान गृह, राष्ट्रीय सेवा योजना और छात्र सुविधा केंद्र, और अन्य एजेंसियों और संस्थानों को ग्राउंड स्पेस, सेमिनार हॉल और व्याख्यान कक्षों के आवंटन के लिए भी उत्तरदायी है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का विकास अनुभाग, विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित सभी पहलों और कार्यक्रमों की निगरानी के लिए स्थापित किया गया था। यह अनुभाग योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विकास अनुभाग का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करते समय शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देशों का पालन किया जाए। इसके अलावा, आईक्यूएसी भी अनुभाग का एक भाग है जो नैक सम्बंधित विविध गतिविधियों को सम्पादित करता है।

विश्वविद्यालय के योजना और पर्यवेक्षण मण्डल को अनुभाग द्वारा विशेष सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, यह अनुभाग यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम, स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम शिक्षकों को मानदेय और सेमिनारों, सम्मेलनों और अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के उत्तरदायित्त्व का निर्वहन करता है।

विकास अनुभाग विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य देखभाल इकाई, छात्र कैंटीन, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्र सुविधा केंद्र, और अन्य एजेंसियों और संस्थानों को ग्राउंड स्पेस, सेमिनार हॉल और व्याख्यान कक्षों के आवंटन के लिए भी उत्तरदायी है।

विकास अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1	उप कुलसचिव	01
2	सहायक कुलसचिव	01
3	निजी सचिव	01
4	सहायक	01

परीक्षा

परीक्षा विभाग द्वारा सेमेस्टर सिस्टम के माध्यम से नियमित कक्षाओं और अंशकालिक पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परीक्षा अनुभाग वर्ष में दो बार छात्रों कीपरीक्षा आयोजन, आवेदन पत्र जमा करने से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित करने तक, अंक तालिकाओं के वितरण, अन्तिम प्रमाण पत्र और दीक्षांत समारोह में डिग्री वितरण इत्यादि के उत्तरदायित्त्व का निर्वहण करता है। कोविड-19 महामारी के कारण से नियमित और अंशकालिक पाठ्यक्रमों की सभी परीक्षाएं ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गईं।

परीक्षा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	उप कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	वरिष्ठ लिपिक	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	02
5.	बहुकार्य कर्मचारी	04

प्रकाशन

प्रकाशन अनुभाग की स्थापना ग्रंथो के संरक्षण, संपादन और प्रकाशन के साथ-साथ शोध के लिए नामांकित छात्रों की सुविधा के उद्देश्य से की गई है। इस अनुभाग ने संस्कृत भाषा की विभिन्न प्राचीन पांडुलिपियों का संपादन किया है। यह अनुभाग एक त्रैमासिक संदर्भित शोध पत्रिका 'शोधप्रभा' का संपादन और प्रकाशन करता है, जिसमें प्रसिद्ध विद्वानों के लेख और शिक्षकों और शोधार्थियों के शोध पत्र प्रकाशित किये जाते हैं। इस अनुभाग के द्वारा वार्षिक शोध कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुसार, शोधार्थियों को शोध पद्धति का प्रशिक्षण दिया जाता है और शास्त्रों के अध्ययन की विशिष्ट पद्धति का प्रशिक्षण भी प्रदान जाता है।

शोध पत्रिका 'शोधप्रभा' का संपादन और प्रकाशन

परामर्श समिति और संपादकीय मण्डल द्वारा विधिवत् अनुशंसित शोध लेखों को शोध विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शिव शंकर मिश्र की अध्यक्षता और अनुसंधान सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक की सहायता से संपादित और 'शोधप्रभा' में प्रकाशित किया गया।

संपादन और प्रकाशन

शास्त्रों और संस्कृत साहित्य के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की योजना के तहत निम्नलिखित पुस्तकें एवं पत्रिकायें प्रकाशित की गईं:-

I. वास्तुशास्त्रविमर्श (एकादश पुष्प)
II. शोध प्रभा (अक्टूबर, 2019)
III. शोध प्रभा (जनवरी, 2020)
IV. शोध प्रभा (अप्रैल, 2020)
V. विद्यापीठ वार्ता (अक्टूबर-दिसंबर, 2019)
VI. विद्यापीठ वार्ता (जनवरी-जून, 2020)
VII. विद्यापीठ पंचांग (संवत-2077)
VIII. वैदिक विज्ञान
IX. बदलते शैक्षिक परिधि में मानसिक एवं शारिरिक स्वास्थ्य
X. भैषज्य ज्योतिष मंजुषा (चतुर्थ पुष्प)

प्रकाशनों का विक्रय

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पुनर्मुद्रण योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न ग्रन्थों के साथ-साथ शोध प्रभा, सुमंगली, भैषज्यज्योतिषम्, पंचांग, वास्तुविमर्श आदि पुस्तकें एवं पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं। विश्वविद्यालय इन प्रकाशनों को नाममात्र की दरों पर विक्रयण करता है।

प्रकाशन अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	अनुसंधान सहायक	01
2.	प्रूफ रीडर	01
3.	बहुकार्य कर्मचारी	01

विश्वविद्यालय कार्य विभाग (यू.डब्ल्यू.डी.)

विश्वविद्यालय परिसर दक्षिणी दिल्ली जनपद में शहीद जीत सिंह मार्ग पर कुतुब इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र में प्लॉट नंबर सं-04 में 10.65 एकड़ के लघु क्षेत्र में स्थित है। है। यह विश्वविद्यालय IIT दिल्ली, NCERT, NUEPA, IIFT, IMI, JNU, ISI, KVS, और अन्य सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के पास प्रमुख भूमि पर स्थित है। यह परिसर सुव्यवस्थित एवं सुप्रबंधित है। यहां चार शैक्षणिक भवन, एक अतिथि गृह और छात्रावास (छात्र) सहित आठ आवासीय भवन हैं। सभी भवनों के निकास मार्ग मुख्य मार्ग से जुड़े हुए हैं। परिसर में कई उद्यान हैं जैसे- विश्रान्ति वाटिका, स्वर्ण जयंती पार्क, सारस्वत उद्यान इत्यादि। विश्वविद्यालय में डीजी सेट, नलकूप व मल जल शोधन संयंत्र,पूरे सप्ताह एवं 24 घंटे जल व बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। परिसर में हाई मास लाइटिंग सिस्टम के माध्यम से उचित प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

विश्वविद्यालय में चार शैक्षणिक भवन हैं: -

(i) शैक्षणिक सदन:- यह 3431.81 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित सबसे पुराना दो मंजिला भवन है। इसमें अकादमिक, अनुसंधान और पुस्तकालय विभाग हैं। इस भवन में दर्शन और साहित्य और संस्कृति पीठ के सभी विभाग हैं।

(ii) सारस्वत साधना सदन:- 4031.26 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित यह पांच मंजिला भवन (भूतल+३+भूगृह) है।इस भवन में एक लिफ्ट स्थापित की गयी है। इस भवन में कुलपति सचिवालय, संगणक प्रयोगशालायें, संगणक केंद्र, सम्मेलन सभागार (वाचस्पति सभागार) और समिति कक्ष हैं।

(iii) बृहस्पति भवन:- यह 410.40 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित दो मंजिला भवन है। इसमें वेद और पौरोहित्य विभाग हैं। इसमें कर्मकांड प्रयोगशाला भी है।

(iv) स्वर्ण जयंती सदनः– यह 6283 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित 5 मंजिला भवन (भूतल+3+भूगृह) है। इस भवन में 3 लिफ्ट और 4 सोपान–कूप हैं। यह भवन उपनियमों के नियमों के अनुसार निर्मित है। इसमें प्रशासन विभाग, वित्त, शैक्षणिक, विकास, सांख्यिकी प्रकोष्ठ, केंद्रीय स्टोर, कुलसचिव कार्यालय, वित्त अधिकारी, कुलानुशासक कार्यालय, समिति कक्ष, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, व्याकरण, धर्मशास्त्र, शिक्षा पीठ आदि जैसे शैक्षणिक विभाग हैं।।

बृहस्पति भवन को छोड़कर सभी शैक्षणिक भवन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इन सभी भवनों के रूफ टॉप हार्वेस्टिंग की समुचित व्यवस्था की गई है।

सी.पी.डब्ल्यू.डी. ने वास्तुशिल्प अनुमोदन के आधार पर निम्नलिखित तीन भवन परियोजनाओं के लिए संशोधित अनुमान प्रस्तुत किया है:–

1. बालक छात्रावास निर्माण के लिये – रु. 56,88,12,600/–
2. बालिका छात्रावास निर्माण के लिये – रु. 35,40,52,200/–
3. शिक्षा सदननिर्माण के लिये – रु. 162,33,10,000/–
4. संचालन और संरक्षण के लिये – रु. 25,32,29, 661/–

इन अनुमानों को विश्वविद्यालय के बी.ओ.एम/ई.सी द्वारा अनुमोदित किया गया है। प्रस्ताव विचार एवं अनुमोदन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया जा रहा है।

निर्माण अनुभाग में पदस्थापित गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:–

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1	अधिशासी अभियंता	01
2	सहायक अभियंता	01
3	कनिष्ठ अभियंता	02
4	वरिष्ठ लिपिक	01
5	इलेक्ट्रिशियन	01
6	कनिष्ठ लिपिक	02
7	पंप प्रचालक	01
8	बहुकार्य कर्मचारी	07

विश्वविद्यालय का बुनियादी ढाँचा एवं सुविधाएं

देवसदनम् (मन्दिर)

विश्वविद्यालय परिसर में, मन्दिर दैनिक जीवन के पहलुओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंदिर न केवल अपनी धार्मिक विशेषताओं के लिए बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक गुणों के लिए भी उल्लेखनीय है जो कि यह समाज को एक संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में देता है। मंदिर हिंदू धर्म के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। एक हिन्दू के लिए, मंदिर एक भव्य संरचना से कहीं अधिक है। मंदिर दैनिक जीवन के बौद्धिक, कलात्मक, आध्यात्मिक, शैक्षिक और सामाजिक तत्वों का एक केंद्र है। विश्वविद्यालय का हर नया कार्यकाल परिसर में विद्यमान मंदिर में एक विशेष पूजा के साथही शुरू होता है।

वेधशाला

ज्योतिष विभाग के छात्रों को सिद्धांत ज्योतिष का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यापीठ परिसर में एक वेधशाला विद्यमान है। इसे जंतर-मंतर, जयपुर के तत्कालीन विभागाध्यक्ष, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता स्वर्गीय एम.एम. कल्याण दत्त शर्मा जी द्वारा स्थापित किया गया। जहां कारकवलय, तुलावलय और मकरवलय इत्यादियन्त्र विभिन्न राशियों के विषय में जानकारी प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं भित्तीयंत्र और चक्रयंत्र क्रांति का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होते है। नाड़ीवलय यन्त्र के माध्यम से स्थानीय समय का ज्ञान ज्ञात करना संभव है। सम्राटयंत्र, यम्योत्तरलंघन काल, स्थानीय समय और मानक समय ज्ञानप्रदान करता है। भारतीय तारा मंडल नतांश, अक्षांशा और क्रांति अंश आदि के अन्वेषण में सहायता करता है।

यज्ञशाला

बृहस्पति भवन में एक यज्ञशाला निर्मित है जहां राजधानी के अर्चकों के लिए डिप्लोमा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष यज्ञशाला में अनेक यज्ञानुष्ठानों का आयोजन किया गया। यज्ञशाला में वैदिक अनुष्ठानों और यज्ञों विधान के लिए विविध प्रकार के भद्र मंडल बनाए गए हैं। जैसे-सर्वतोभद्र मण्डल, चतुर्भद्र मण्डल, वास्तु मण्डल, एकषष्टिपद वास्तु मण्डल, नवग्रह मण्डल, षोडश मातृका मण्डल, सप्त घृत मातृका मण्डल, क्षेत्रपाल मण्डल, योगिनी मण्डल तथा अन्य भी विविध प्रकारक मण्डलों का चित्रण किया गया है। यज्ञशाला में गुरु-शिष्य परम्परा द्वारा अध्ययन और अध्यापन किया जाता है, गुरु और शिष्य विधिवत् चटाई पर बैठकर, विशिष्ट वेशभूषा में (धौती, कुर्ता, उत्तरिय आदि) आमने-सामने बैठते हैं और आसनस्थ पाठ को लकड़ी के पीठ के ऊपर रखकर स्वाध्याय करते हैं। इसके अतिरिक्त यज्ञशाला में प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

जलपान गृह

विश्वविद्यालय के परिसर में जलपान गृह की सुविधा है और यह विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा संचालित है। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता के साथ अत्यधिक रियायती दरों पर विभिन्न प्रकार के दक्षिण भारतीय भोजन और नाश्ता या अल्पाहार प्रदान किए जाते हैं। जलपान गृह में एक बड़ी पाकशाला है और जलपान गृह में छात्रों और कर्मचारियों को पौष्टिक और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष अवधान दिया जाता है। जलपान गृह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुली रहती है।

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन सुविधा

विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए उत्सुक है, विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण किया गया है और एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है,

भौतिक सुविधाएं : हमारा विश्वविद्यालय शारीरिक रूप से दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर जैसी भौतिक सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

रैम्प/रेल: परिसर में रैम्प की सुविधा भी उपलब्ध है।

शौचालय: दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध हैं।

अतिथि गृह (विश्रान्ति निलय)

अतिथि गृह शैक्षिक उद्देश्य के लिए अभिप्रेत है जो विश्वविद्यालय की गैर-व्यावसायिक इकाई होगी जिसका नाम 'विश्रान्ति निलयम्' रखा गया है। विश्वविद्यालय के परिसर में एक दो मंजिला अतिथि गृह है। इसमें 8 डबल बेड वाले कक्ष, दो वी.आई.पी. कक्ष, एक डाइनिंग सभागार और एक कार्यालय कक्ष शामिल हैं। अतिथि गृह शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों में कार्यरत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों/सदस्यों के उपयोग के लिए उपलब्ध है।

व्यायामशाला

विश्वविद्यालय सभी छात्रों के लिए जिम की सुविधा प्रदान करता है। 'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है', इस कहावत का अनुपालन करते हुए, छात्रों के लिए एक पेशेवर रूप से प्रबंधित वातावरण बनाया जाता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से, परिसर इनडोर पूरी तरह से वातानुकूलित इन-हाउस व्यायामशाला से सुसज्जित है। इसमें विश्व स्तरीय उपकरण जैसे ट्रेडमिल और व्यायाम और वर्कआउट के लिए स्ट्रेंथ मशीन शामिल हैं। संक्षेप में, व्यायामशाला छात्रों को समग्र विकास प्रदान करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है।

छात्रावास

विश्वविद्यालय में पुरुष छात्रों के लिए एक छात्रावास है, जिसमें 51 कक्षों में 99 छात्रों के लिए आवास व्यवस्था सुनिश्चित है। शोधार्थियों और वरिष्ठ छात्रों के लिए 16 एक स्थानीयकक्ष हैं, अन्य छात्रों के लिए 18 द्विस्थानीयकक्ष और 17 त्रिस्थानीय कक्ष हैं। छात्रावास अत्याधुनिक सुविधाओं से जैसे लोकल एरिया नेटवर्क, संगणक, टी.वी और टेलीफोन, सामान्य कक्ष, डाइनिंग सभागार, जलपान सभागार, पाकशाला और कोठार से युक्त है।

डॉ. सुंदर नारायण झा वर्ष 2019-20 लिए छात्रावास के प्रभारी अधिष्ठाता के रूप में कार्यरत हैं। कोविड-19 महामारी के कारण छात्रावास 21 मार्च, 2020 से खाली है, इस अवधि के दौरान छात्रावास प्रभारी अधिष्ठाता ने और छात्रावास समिति ने प्रबंधन, छात्रावास में रखरखाव और अन्य गतिविधियों की निगरानी की।

विश्वविद्यालय परिसर में वर्षा जल संचयन

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2004-05 में केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में और C.G.W.B. के सुझाव अनुसार चार अलग-अलग स्थानों पर कुल सात वर्षा जल संचयन गड्ढे (बोर) तैयार कर वर्षा जल संचयन की समुचित व्यवस्था की।

रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट

151.57 KWp के रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट को भारत सरकार के सौर उर्जा निगम के माध्यम से नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की मैसर्स एज्योर पावर रूफ टॉप वन प्रा. लिमिटेड एजेंसी द्वारा, मोड़ में विश्वविद्यालय को वर्तमान में निर्मित भवनों की छत्तों पर स्थापित किया गया है।

मनोरंजन कक्ष

विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों के मनोरंजन और परस्पर संपर्क के लिए, विश्वविद्यालय में एक मनोरंजन कक्ष निर्मित है। महिलाओं को उनके रिक्त समय में विश्रान्ति, अध्ययन और अनौपचारिक बातचीत करने के उद्देश्य से यह बनाया गया था। इसमें कुछ इंडोर गेम्स उपलब्ध हैं। कम्युनिल कक्ष में कर्मचारी उपयोग के लिए समाचार पत्र और पत्रिकाएँ भी उपलब्ध होती हैं। महिला कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए मनोरंजन कक्ष में महिला कर्मचारी को नियुक्त किया गया हैं।

आवासीय भवन

विश्वविद्यालय में अपने शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए 48 कर्मचारी आवासीय भवन निर्मित हैं, जिनमें से 7 आवासीय भवन टाइप-V में, 8 आवासीय भवन टाइप-IV में, 8 आवासीय भवन टाइप-III में, 8 आवासीय भवन टाइप-II में, 16 आवासीय भवनटाइप-I में हैं और कुलपति आवास के लिये एक कुलपति आवास भवन भी निर्मित है।

मलजल शोधन संयंत्र

2006-07 में फिल्टर प्रेस के साथ (120 कि.ली. प्रति दिन क्षमता का) एक नवीनतम एफ.ए.बी. प्रकारक मलजल शोधन यन्त्र स्थापित किया है। परिसर की पाकशालाओं, स्नान घरों, शौचालय आदि के माध्यम से उत्पन्न अपशिष्ट जल का उपयोग परिसर में गैर-आवासीय भवनों के शौचालयों को फ्लश करने और बागवानी में पुन: उपयोग करने के उद्देश्य से यह स्थापित है। शत प्रतिशत शुद्ध किये गये अपशिष्ट जल का उपयोग मलजल शोधन यन्त्र के माध्यम से करता है और प्रभावी ढंग से इसका उपयोग विद्यापीठ के पार्कों और उद्यानों को सुव्यवस्थित एवं विकासित करने के लिए और (वर्षा ऋतु में कुछ दिनों को छोड़कर) गैर-आवसीय भवनों के शौचालयों में फ्लश के लिए करता है। अपशिष्ट जल के उपचार के बाद उत्पन्न ठोस अपशिष्ट को फिल्टर प्रेस द्वारा खाद के रूप में परिवर्तित किया जाता है जिसका उपयोग बागवानी कार्यों के लिए किया जाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय पूरे वर्ष उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग कर रहा है। मलजल शोधन यन्त्र चौबीसों घंटे काम करता है।

विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियाँ

1. अंतर्राष्ट्रीय योग वेबिनार

भारत सरकार के निर्देशानुसार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21/06/2020 को किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति के निर्देशानुसार योगाभ्यास का आयोजन वेबिनार के माध्यम से किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग वेबिनार समारोह

2. संस्कृत-सप्ताह कार्यक्रम

31.07.2020 से 04.08.2020 तक विश्वविद्यालय में प्रो. नीलम ठगेला (पीठ प्रमुख, छात्र कल्याण पीठ) की अध्यक्षता में, संस्कृत सप्ताह मनाया गया और संस्कृत दिवस 03.08.2020 को मनाया गया।

3. स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2020 को विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के सामने स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। समारोह पूर्वाह्न 10:00 बजे प्रारम्भ हुआ। कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं ने राष्ट्रगान गाया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को राष्ट्र के गौरव को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

4. हिंदी सप्ताह

विश्वविद्यालय में दिनांक 07.09.2020 से 14.09.2020 तक हिंदी सप्ताह का आचरण किया गया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए हिंदी टंकण और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यथा समय हिंदी राजभाषा समिति द्वारा विविध बैठकों का आयोजन किया गया।

हिन्दी सप्ताह में हिन्दी टंकण प्रतियोगिता

5. श्री लाल बहादुर शास्त्री एवं श्री महात्मा गांधी जयंती उत्सव

वेदों को दुनिया का सबसे प्राचीन जीवित साहित्य माना जाता है सदियों से याद रखने और पीढ़ी दर पीढ़ी तक संचरण के माध्यम से वेदों को मूल रूप में संरक्षित किया गया है अत: इनके अक्षतिग्रस्त, प्रामाणिक होने की संभावना है। इस संदर्भ में, विश्वविद्यालय हर साल काव्य रूपकों और संकेतों की प्रचुरता को पहचानने और प्रदान करने के साथ-साथ लोगों, स्थानों और घटनाओं के साथ-साथ उस समय प्रचलित धार्मिक प्रणालियों के संरक्षण के लिए वेद पाठ करता है। विश्वविद्यालय में 2 अक्टूबर को श्री लाल बहादुर शास्त्री और श्री महात्मा गांधी जयंती के रूप में मनाया गया। इस उत्सव के दौरान, विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने वेद और श्रीमद् भगवद्गीता का पाठ किया। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया। प्रो. योगेंद्र नाथ अरुण द्वारा विशेष आभासी व्याख्यान भी किया गया। छात्रों के लिए आभासीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री और श्री महात्मा गांधी जयंती के दौरान गीता पाठ

6. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

प्रति वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के सप्ताह के दौरान, जिसे 'भारत का बिस्मार्क' कहा जाता है, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27.10.2020 से 02.11.2020 तक मनाया जाता है। पटेल जी का जन्म 31 अक्टूबर को हुआ था और वह अपनी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के लिए प्रसिद्ध हैं। कोविड-19 महामारी के कारण विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए शपथ समारोह, सम्बन्धित विभागों मेंआयोजित किया गया। दिनांक 28.10.2020 को गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 02.11.2020 को कुलपति कार्यालय में आयोजित किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर उपस्थित अधिकारीगण

7. कोविड-19 शपथ समारोह

विश्वविद्यालय में 11.11.2020 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कोविड-19 शपथ समारोह का आयोजन किया गया। कोविड-19 महामारी के कारण कर्मचारियों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन करते हुए सम्बंधित विभागों में शपथ ग्रहण की गई।

8. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

राष्ट्रीय शिक्षा दिवसभारत के पहले शिक्षा मंत्री स्वर्गीय मौलाना अबुल कलाम 'आजाद' के सम्मान में हर साल 11 नवंबर को मनाया जाता है। 11 नवंबर, 2020 को दोपहर 02:30 बजे, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस विषय पर प्रोफेसर रमेश प्रसाद पाठक ने 'Molana Abdul Kalam Azad's life, as well as the value of education in our lives, विषय पर आभासी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

9. राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव दिवस और झंडा दिवस पर वेबिनार

दिनांक 25.11.2020 को राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना दिवस और झंडा दिवस वेबिनार के माध्यम से मनाया गया

10. संविधान दिवस

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 26/11/2020 को विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त इस अवसर परआभासीय व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. रचना वर्मा मोहन, आचार्या (शिक्षाशास्त्र) ने विशेष व्याख्यान दिया।

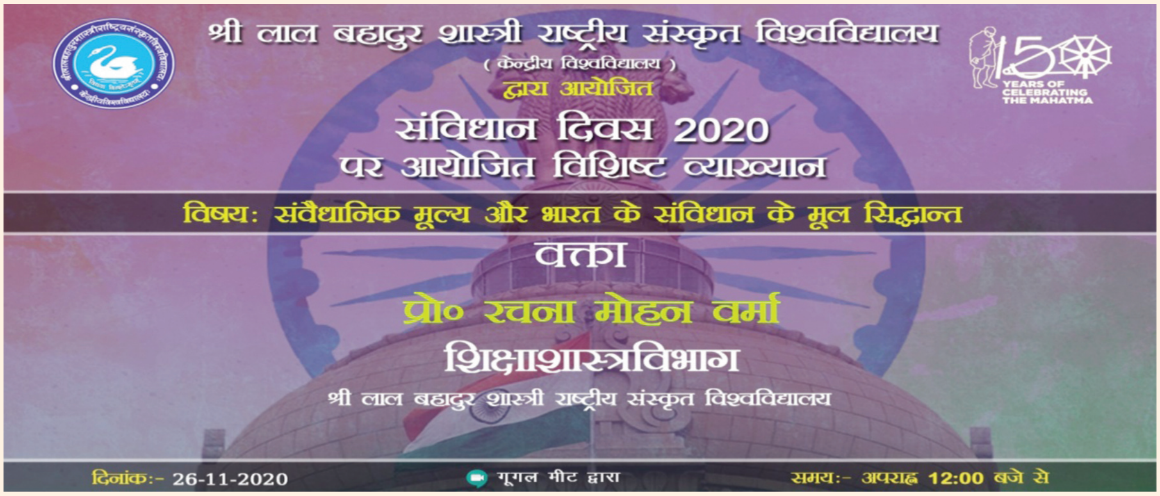

संविधान दिवस पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान

11. गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2021 को विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के समक्ष गणतंत्र दिवस आयोजन किया गया। समारोह पूर्वाह्न 10:30 बजे शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं ने राष्ट्रगान गाया।

गणतंत्र दिवस आयोजन

12. सरस्वती पूजन महोत्सव

विश्वविद्यालय में दिनांक 16 फरवरी, 2021 को वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती का आचरण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता एवं पीठ के समस्त सदस्यों की उपस्थिति में डॉ. सुन्दर नारायण झा द्वारा शास्त्रीय परम्परा के अनुसार देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

13. मातृभाषा दिवस समारोह

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में आभासीय माध्यम से दिनांक 21.02.2021से 23.02.2021 पूर्वाह्ण 11:00 बजे मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालीय कर्मचारियों ने कार्यक्रम में ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से भाग लिया। इस कार्यक्रम की अगुवाई संयोजिका प्रो. नीलम ठगेला ने की थी।

14. आजादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार, आजादी का अमृत महोत्सव 'भारत की स्वतंत्रता' की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 12 मार्च, 2021 को पूर्वाह्ण 11:00 बजे मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. जगदेव कुमार शर्मा (आचार्य, आधुनिक विद्या पीठ) के नेतृत्व में किया गया। कर्मचारियों और छात्रों ने कार्यक्रम में गूगलमीट के माध्यम से भाग लिया।